दिल्ली
अधिकतम तापमान 36 डिग्री
न्यूनतम तापमान 26 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 36 डिग्री
न्यूनतम तापमान 25 डिग्री

बुधवार 24 सितंबर 2025
सूर्योदय प्रातः 06:11 बजे
सूर्यास्त सांय 18:15 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट न्यूज

पृष्ठ 4 अमेरिकी आत्मघाती वीजा बंदिशें, भारत के नये अवसर

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 340 | गाजियाबाद, बुधवार 24 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

कैंटर और कार की भिड़ंत में दोनों में लगी आग, पांच जिंदा जले, एक घायल

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना अकराबाद थाना अंतर्गत जीटी रोड स्थित गोपी पुल के ऊपर मंगलवार की सुबह कैंटर और कार में आमने-सामने भिड़ंत होने से बहुत बड़ा दर्दनाक हादसा घटित हो गया। जिसमे कैंटर और कार में आग लग गई।

आग लगने से पुल पर राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई और लोगों की चीत्कार मच गई। दोनों वाहनों में सवार पांच लोग जिंदा जल गए। जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया है।

सूचना पर पुलिस, फायर ब्रिगेड, ट्रैफिक सहित अन्य विभागों की टीम मौके पर पहुंच गई। संयुक्त टीमों ने रेस्क्यू कर आग पर काबू पाया गया। दोनों वाहनों में सवार पांच लोगों की आग की चपेट में आकर मौत हो गई। वहीं एक को गंभीर हालत में जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। गाड़ियां बुरी तरह जल गईं।

चार लोगों की मौत से सिंकदराराऊ नगर में मातम

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गोपी पुल के ऊपर मंगलवार की सुबह पांच बजे एक कैंटर और कार की जबरदश्त भिड़न्त हो गई। जिसके कारण दोनों गाड़ियों में आग लग गई और कार में सवार चार लोग तथा कैंटर चालक की जिन्दा जलकर मौत हो गई। चारों मृतक हाथरस में कस्बा सिकंदराराऊ के रहने वाले थे। उनके सभी परिजन सूचना मिलने के बाद अलीगढ़ पोस्टमार्टम हाउस पर रवाना हो गए।

चार लोगों की मौत से सिकंदराराऊ नगर में मातम छा गया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच में जुट गई। एक घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में अतुल पुत्र देवेंद्र यादव निवासी भूतेश्वर कॉलोनी थाना सिकंद्राराऊ जनपद हाथरस उम्र करीब 19 वर्ष,देव पुत्र संजय शर्मा निवासी बजरिया मोहल्ला थाना सिकंद्राराऊ जनपद हाथरस उम्र करीब 22 वर्ष,हर्षित पुत्र अखिलेश माहेश्वरी निवासी कासगंज रोड थाना सिकंदरा राव जनपद हाथरस उम्र करीब 19 वर्ष मयंक उर्फ मोनू पुत्र कुशल पाल निवासी सिंधौली थाना हसायन जनपद हाथरस हाल पता ब्रह्मपुरी तहसील रोड सिकंदरा जनपद हाथरस उम्र करीब 22 वर्ष,राजेश पुत्र सुनहरी निवासी कुंवरपुर थाना निधौली कला जनपद एटा उम्र क़रीब 35 वर्ष, जबकि सुमित पुत्र होडिल सिंह निवासी सिकंद्राराऊ हाथरस गम्भीर रूप से घायल हां गया है।

इनका कहना है...

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अमृत जैन ने बताया कि थाना अकराबाद क्षेत्र में मंगलवार की सुबह गोपी पुल पर दो गाड़ियों की भिड़ंत हो गई है। भिड़ंत के चलते दोनों गाड़ियों में आग लगने व कुछ लोगों के क्षतिग्रश्त होने की सूचना प्राप्त हुई।

सूचना पर स्थानीय पुलिस, फायर सर्विस अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर आग को बुझाया गया। घायलों को गाड़ी से निकालकर एंबुलेंस से जेएनएमसी ट्रामा सेंटर रवाना किया गया। दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई है। मृतकों की शिनाख्त करके पंचायतनामा व पोस्टमार्टम हेतु शवों को मोर्चरी भिजवाया जा रहा है। जल्द ही इनकी पहचान कर अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जायेगी। यातायात व्यवस्था सुचारू है। मौके पर शांति है।

कार का टायर फटने हुआ दर्दनाक हादसा

पुलिस अधिकारियों के अनुसार थाना अकराबाद क्षेत्र में अलीगढ़-कानपुर हाईवे स्थित गोपी पुल पर कैंटर व कार में टक्कर से पहले सिकंदराराऊ से अलीगढ़ की ओर आ रही तेज रफ्तार कार का टायर फट गया था। इसके बाद अनियंत्रित हुई कार डिवाइडर फलांग कर दूसरी ओर पहुंच कर सामने से आ रहे स्टेशनरी से भरे कैंटर में जा घुसी। जबरदश्त टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। पलक झपकते ही आग की ऊंची-ऊंची लपटों ने दोनों वाहनों को घेर लिया।

सिनेमा का लोकप्रिय होने के साथ लोकहित में होना और भी अच्छी बात : मुर्मु

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि लोकप्रिय फिल्में बनाना सही है लेकिन

लोकप्रिय होने के साथ-साथ फिल्में यदि लोकहित में भी हों तो यह और भी बेहतर होगा।

श्रीमती मुर्मु ने मंगलवार को यहां विज्ञान भवन में 71 वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किये। उन्होंने मलयालम फिल्मों के जाने-माने अभिनेता, निर्देशक तथा निर्माता मोहनला को प्रतिष्ठित दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया। इस अवसर पर अभिनेत्री रानी मुखर्जी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री और अभिनेता शाहरूख खान तथा विक्रांत मैसी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार प्रदान किया गया।

राष्ट्रपति ने भारतीय सिनेमा के मौजूदा परिदृश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकप्रिय फिल्में बनाना अच्छी बात है लेकिन इसके साथ साथ सिनेमा लोकहित में भी हो तो और भी अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि महिलाएं किसी न किसी श्तर पर भेदभाव झेलती हैं और महिलाओं पर केन्द्रीत फिल्में बनाने के लिए वह फिल्मकारों को साधुवाद देती हैं।

हर क्षेत्र में मिलाओं की सफलता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अवसर मिलने पर महिलाएं बड़ी उपलब्धि हांसिल करने में सक्षम है। फिल्म बनाने में अनेकों कलाकारों कारीगरों की भूमिका होती है और वह सभी को शुभकामनाएं और बधाई देती हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि फिल्म पुरस्कारों से सम्मानित होने वालों में युवा और अनुभवी कलाकार तथा छह बच्चे भी शामिल हैं और वह बधाई और शुभकामनाएं देती हैं।

शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन गिरावट, ऑटो-बैंकिंग शेयरों में तेजी

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷

घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही, हालांकि ऑटो और बैंकिंग कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी गयी।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 57.87 अंक (0.07 प्रतिशत) की गिरावट में 82,102.10 अंक पर बंद हुआ। एक समय यह 81,776.53 अंक तक लुढ़क गया था, लेकिन ऑटो, धातु और बैंकिंग सेक्टरों में लिवाली से बाजार काफी हद तक उबरने में कामयाब रहा।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 32.85 अंक यानी 0.13 प्रतिशत टूटकर 25,169.50 अंक पर बंद हुआ।

ऑटो, धातु और बैंकिंग सेक्टरों में लिवाली रही जबकि एफएमसीजी, रियलिटी, फार्मा और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों के शेयरों में गिरावट देखी गयी। सेंसेक्स की कंपनियों में ट्रेंट का शेयर सबसे अधिक 2.34 प्रतिशत गिर गया। टेक महिंद्रा में 2.07 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनीलिवर में 1.94 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.90 प्रतिशत और एशियन पेंट्स में 1.42 प्रतिशत की गिरावट रही। इटरनल, आईटीसी, सनफार्मा, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एचडीएफसी बैंक और टाइटन के शेयर भी टूट गये।

एक्सिस बैंक में सबसे अधिक 2.32 प्रतिशत की तेजी रही। बजाज फाइनेंस का शेयर 1.94 प्रतिशत, मारुति सुजुकी का 1.83 प्रतिशत और भारतीय स्टेट बैंक का 1.81 प्रतिशत चढ़ा। कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर 1.55 प्रतिशत, टाटा स्टील और एनटीपीसी दोनों का 1.11 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, एलएंडटी और बजाज फिनसर्व के शेयर भी बढ़त में रहे। एनएसई में कुल 3,136 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें 1,714 के शेयर गिरावट में और 1,329 के बढ़त में रहे जबकि 93 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित बंद हुये। मझौली और छोटी कंपनियों पर भी दबाव रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 0.13 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 0.53 फीसदी की गिरावट रही।

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.99 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.70 फीसदी और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.18 फीसदी लुढ़क गया।

यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.36 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.17 फीसदी ऊपर था।

CBI कोर्ट ने फर्जी फायर इंश्योरेंस क्लेम मामले में दो आरोपियों को सुनाई पांच साल की सजा

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। सीबीआई की विशेष अदालत, अहमदाबाद ने मंगलवार को बहुचर्चित फर्जी फायर इंश्योरेंस क्लेम मामले में अहम फैसला सुनाया। अदालत ने मीरा केमिकल्स, पानोली, भरुच के पार्टनर रशीक जे. पटेल डलसानिया और सर्वेयर फर्म एस.आर. चित्रे एंड कंपनी के प्रोपराइटर संजय रमेश चित्रे को दोषी करार देते हुए 5-5 साल की सख्त कैद और कुल 60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। इसमें पटेल पर 45 लाख और चित्रे पर 15 लाख का आर्थिक दंड लगाया गया है। सीबीआई, एसीबी गांधीनगर ने यह केस 29 जून 2006 को दर्ज किया था। जांच में सामने आया कि 20 जनवरी 2002 को मीरा केमिकल्स की फैक्ट्री में लगी आग से हुए नुकसान के नाम पर फर्जी दश्तावेज, फर्जी बिल और वाउचर जमा कराकर 36.86 लाख रुपये का बीमा क्लेम लिया गया। इस साजिश में सर्वेयर संजय चित्रे ने भी सहयोग किया।

सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पर प्लेटफॉर्म से कूदी युवती, हालत गंभीर

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। राष्ट्रीय राजधानी में सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पर एक युवती के प्लेटफॉर्म से कूदने का मामला सामने आया है। गंभीर रूप से घायल युवती को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस उपायुक्त मेट्रो ने बताया कि पुलिस को इस घटना की सूचना सुबह करीब 11:42 बजे एक पीसीआर कॉल के माध्यम से मिली। कॉल करने वाले ने बताया कि 'सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पीसीआर वी11 अल्फा एसआई प्रेमचंद डी-1617 बोल रहा है कि एक लेडी ऊपर से गिर गई है, जो घायल है, जिसे लेडी हार्डिंग हॉस्पिटल ले जाया जा रहा है।'

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने न्यूयॉर्क में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के नेटवर्क को ध्वस्त किया

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने न्यूयॉर्क ट्राइस्टेट क्षेत्र में स्थित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के एक नेटवर्क को ध्वश्त कर दिया है, जिनका इश्तेमाल वरिष्ठ अमेरिकी सरकारी अधिकारियों को निशाना बनाकर कई दूरसंचार संबंधी धमकियां देने के लिए किया जा रहा था। सीक्रेट सर्विस की ओर से जारी बयान के मुताबिक सुरक्षात्मक खुफिया जांच के दौरान कई साइटों पर 300 से ज्यादा सिम सर्वर और इलेक्ट्रानिक उपकरण तथा करीब एक लाख सिम कार्ड मिले। ये उपकरण न्यूयॉर्क में आयोजित संयुक्त राष्ट्र महासभा की वैश्विक बैठक स्थल के 35 मील के दायरे में केंद्रित थे।

ट्रम्प रुस से तेल खरीदने के मामले में भारत पर और भी फैसले की सोच रहे हैं : रूबियो

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली/न्यूयार्क** ✷। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्का रूबियो ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रूस से कच्चा तेल खरीदने के मामले में भारत पर की गयी कार्रवाई के बारे में और कदम उठाने की क्षमता रखते हैं और इस मामले ने जो नयी दिशा ली है उसके कारण वह 'और भी कदम उठाने का विचार कर रहे हैं।' श्री रूबियो ने यह भी कहा कि अमेरिका आशा करता है कि भारत विरुद्ध जो भी कार्रवाई की गयी है उसे ठीक किया जा सकता । संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के सिलसिले में न्यूयार्क आए श्री रूबियो ने समाचार चैनल एनबीसी के साथ बातचीत में कहा , ' भारत के खिलाफ हमने जो कुछ किया है वह हमारे सामने है, यद्यपि हम यह भी उम्मीद करते हैं कि हम इसे ठीक भी कर सकते हैं। लेकिन- और राष्ट्रपति और भी कदम उठाने में समर्थ हैं और वह इसके लिए सोच भी रहे हैं क्यों कि यह एक दिशा में चला गया है।'

राजनाथ ने मोरक्को में टाटा के अत्याधुनिक रक्षा विनिर्माण केन्द्र का उद्घाटन किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मोरक्को के रक्षा मंत्री अब्देलतीफ लौदी ने बुधवार को मोरक्को के बेरेचिड में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) के अत्याधुनिक रक्षा विनिर्माण केन्द्र का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

श्री सिंह ने इस अवसर को दोनों देशों के बीच बढ रही रणनीतिक साझेदारी में एक ऐतिहासिक क्षण बताया। बीस हजार वर्ग मीटर में फैले इस केन्द्र में स्वदेशी व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म (डब्ल्यू एचएपी) का उत्पादन किया जायेगा जिसे टीएएसएल और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा संयुक्त रूप से डिज़ाइन किया गया है।

यह एक आधुनिक मॉड्यूलर लड़ाकू प्लेटफॉर्म है जो उन्नत गतिशीलता, सुरक्षा और अलग-अलग तरह के मिशन के अनुकूल है। इसकी विशेषताएं जैसे स्केलेबल बैलिस्टिक और माइन प्रोटेक्शन के साथ टिकाऊ मोनोकॉक पतवार, स्वतंत्र सस्पेंशन, सेंट्रल टायर इन्फ्लेशन सिस्टम और उच्च-शक्ति इंजन बेहतरीन ऑफ-रोड प्रदर्शन सुनिश्चित करते हैं।

इसके विन्यास में पैदल सेना लड़ाकू वाहन, बख्तरबंद कार्मिक वाहक, टोही, कमांड पोस्ट, मोर्टार वाहक और यहां तक कि एम्बुलेंस के प्रकार भी शामिल हैं। मानवयुक्त और मानवरहित रिमोट हथियार स्टेशनों और एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल क्षमता के विकल्प इसकी बहुमुखी प्रतिभा को और बढ़ाते हैं।

मोरक्को सरकार के साथ अनुबंध के तहत टीएएसएल रॉयल मोरक्कन आर्मी को ये वाहन

देगा जिसकी शुरुआती डिलीवरी अगले महीने शुरू होने वाली है। यह केन्द्र निर्धारित समय से तीन महीने पहले चालू हो गया है और इसमें उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है। यह मोरक्को का सबसे बड़ा रक्षा विनिर्माण केन्द्र है जो अफ्रीका में किसी भारतीय निजी कंपनी द्वारा स्थापित पहला ऐसा संयंत्र है।

श्री सिंह ने इस अवसर पर कहा कि भारत का आत्मनिर्भरता का दृष्टिकोण केवल अपनी आवश्यकताओं के लिए निर्माण करना नहीं बल्कि ऐसी क्षमताएँ विकसित करना है जो भारत को दुनिया के लिए उन्नत तकनीक और उच्च-गुणवत्ता वाले उत्पादों का एक विश्वसनीय स्रोत बनाएंगी। उन्होंने कहा , ' भारत के लिए, आत्मनिर्भरता का अर्थ अलगाव नहीं है, बल्कि हमारा लक्ष्य आत्मनिर्भरता के अंतर्गत रणनीतिक स्वायत्तता विकसित करना है। हम ऐसी क्षमताएँ विकसित करना चाहते हैं जो हमें वैश्विक साझेदारों के संपर्क में रहते हुए स्वतंत्र रूप से अपने देश की रक्षा करने में सक्षम बनाएं। 'मेक इन इंडिया' के साथ-साथ, हम 'मेक विद फ्रेंड्स' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' को भी आगे बढ़ा रहे हैं।

देश के कुल स्टार्टअप्स में 48 प्रतिशत महिलाओं ने किए तैयार : शाह

✷ वेबवार्ता. गांधीनगर ✷

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को गुजरात के गांधीनगर में कहा कि देश के कुल स्टार्टअप्स में 48 प्रतिशत महिलाओं ने तैयार किये हैं। मातृशक्ति-महिला उद्यमियों के पास हमेशा देवी लक्ष्मी का वास होता है।

श्री शाह ने यहां 'स्टार्टअप कॉन्क्लेव-2025' का प्रारंभ कराते हुए कहा, 'उत्तर-पूर्व में लगभग 900 स्टार्टअप्स महिला संचालित हैं, जो आत्मनिर्भर भारत के लिए कार्यरत हैं। स्टार्टअप इकोसिस्टम के माध्यम से अब तक गौरव समान लगभग 19.70 लाख रोजगार उपलब्ध कराये गये हैं। टू टियर तथा थ्री टियर सिटी में प्रति वर्ष लगभग 9,000 स्टार्टअप शुरू होते हैं, जो देश का विकास दर्शाते हैं।'

पिछले चार वर्षों से गुजरात स्टार्टअप क्षेत्र में एक अग्रणी के रूप में काम करते हुए देश भर में प्रथम रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उनकी टीम के मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों ने साथ मिलकर गुजरात को स्टार्टअप क्रांति का केंद्र बनाया है। देश के शीर्ष पांच राज्यों में गुजरात में 16,000 स्टार्टअप हैं। अकेला अहमदाबाद शहर 6650 स्टार्टअप के साथ शीर्ष-4 की सूची में शामिल है। गुजरात राज्य लगातार चार वर्षों से स्टार्टअप क्षेत्र में बेस्ट परफॉर्मर स्टेट का खिताब जीत रहा है।

नड्डा ने वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन के लोगो और ब्रोशर का अनावरण किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को यहां निर्माण भवन में वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन 2025 के लोगो और ब्रोशर का अनावरण किया।

गौरतलब है कि यह वैश्विक शिखर सम्मेलन केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संयोजन में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा राजधानी के भारत मंडपम में 26 से 27 सितंबर तक भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा वर्ल्ड फूड इंडिया-2025 कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर श्री नड्डा ने कहा कि इस वर्ष वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन का विषय, 'उभरती खाद्य प्रणालियां-यथा अन्नम तथा मनः,' भोजन की गुणवत्ता और मन व समाज के स्वास्थ्य के बीच गहरे संबंध को खूबसूरती से दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि भोजन केवल पोषण नहीं है, यह एक ऐसी शक्ति है जो शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और सामाजिक सद्भाव को आकार देती है।

श्री नड्डा ने देश में खाद्य सुरक्षा मानकों को आगे बढ़ाने और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में वैश्विक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

श्री नड्डा ने वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन-2025 के विजन के बारे में कहा कि यह शिखर सम्मेलन वैश्विक नियामकों को अपने दृष्टिकोण साझा करने, मानकों में सामंजस्य स्थापित करने, जोखिम मूल्यांकन क्षमताओं को मजबूत करने और खाद्य सुरक्षा में तकनीकी प्रगति के नए क्षेत्रों का पता लगाने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगा।

इसका उद्देश्य उपभोक्ता स्वास्थ्य की रक्षा करना और निष्पक्ष व्यापार, नवाचार और सभी के लिए लाभकारी स्थायी खाद्य प्रणालियों को बढ़ावा देना है।

श्रीलंका की प्रधानमंत्री से मिले एडमिरल त्रिपाठी , समुद्री सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। श्रीलंका यात्रा पर गये नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने मंगलवार को कोलंबो में वहां की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात की और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों विशेष रूप से समुद्री सहयोग बढ़ाने पर व्यापक चर्चा की। नौसेना के अनुसार दोनों की बातचीत में एडमिरल कप, अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा और मिलन जैसे बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास पर चर्चा हुई।

दिल्ली में स्पेशल सेल का SI दो लाख की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के सतर्कता विभाग ने आईएफएसओ, स्पेशल सेल द्वारका में तैनात सब-इंस्पेक्टर (एसआई) करमवीर सिंह (बैच 2010) को दो लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ा है।

जिला सतर्कता उपायुक्त ने मंगलवार को बताया कि शिकायतकर्ता विश्नु बिश्नोई और उनके वकील विशाल सोजीत्रा ने शिकायत दी थी कि एसआई करमवीर सिंह ने बैंक खाता डिफ्रीज करने के लिए पांच लाख रुपये रिश्वत मांगी।

शिकायतकर्ता का खाता जांच के दौरान फ्रीज किया गया था और इस संबंध में मामला अदालत में लंबित है।

नशे में धुत युवक ने नदी में लगाई छलाँग

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷। कोतवाली क्षेत्र में गंगा बैराज पुल पर एक अजीब घटना सामने आई। एक नशे में धुत युवक ने अचानक पुल से गंगा नदी में छलांग लगा दी। घटना को देख आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय गोताखोर तुरंत हरकत में आए। उन्होंने युवक को बचाने के लिए नदी में उतरकर बचाव अभियान शुरू किया। कड़ी मेहनत के बाद युवक को सुरक्षित बाहर निकाला गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना के समय नशे में धुत एक और युवक भी मौके पर मौजूद था। जैसे ही पहला युवक नदी से बाहर निकला, भीड़ ने उसकी पिटाई कर दी। दोनों युवकों को पुलिस के हवाले कर दिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें युवक को नदी से निकालने और उसकी पिटाई के दृश्य साफ दिख रहे हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दसवें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में जन जागरूकता रैली एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷। आयुर्वेद जन-जन के लिए पृथ्वी के कल्याण के लिए के अंतर्गत जिलाधिकारी बिजनौर के निर्देशन में जन जागरूकता रैली निकाली गई ।जिसमें आर.जे.पी इंटर कॉलेज बिजनौर के छात्रों एवं शिक्षक गणों के साथ-साथ आयुष विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। इसी के साथ एक वृहद् आयुष चिकित्सा शिविर एवं स्वास्थ्य संगोष्ठी का आयोजन प्रातः 10:00 बजे से पुराना महिला अस्पताल परिसर सिविल लाइंस बिजनौर में किया गया। जिसका उद्घाटन नगर पालिका की अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर भगवान धन्वंतरि जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। मुख्य अतिथि का स्वागत डॉ. आरती गुप्ता जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी व डॉक्टर राकेश कुमार क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी बिजनौर ने पुष्पगुच्छ से किया। स्वास्थ्य संगोष्ठी एवं आयुर्वेद संवाद कार्यक्रम में आयुष विभाग के चिकित्सा अधिकारियों द्वारा आयुर्वेद आहार विहार एवं स्वास्थ्य लाभ जैसे विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ने आयुर्वेद को सबसे पुरानी चिकित्सा पद्धति बताते हुए इसे अपने एवं स्वस्थ रहने पर जोर दिया। चिकित्सा शिविर में विभिन्न आयुष पद्धतियों आयुर्वेद यूनानी होम्योपैथी एवं योग के विशेषज्ञों द्वारा कुल 645 रोगियों का परीक्षण कर निःशुल्क औषधी व पौधे वितरित किए गए।

दिलशाद हत्याकांड के सातवें आरोपी ने किया सरेंडर

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। बहुचर्चित दिलशाद हत्याकांड का सातवां आरोपी ने न्यायालय में सरेंडर कर दिया। आरोपी पर पुलिस की ओर से 15 हजार का इनाम घोषित था। अब मामले में केवल तीन आरोपी फरार है। बता दे की 5 जून की रात्रि को पारिवारिक विवाद के चलते चचेरे भाइयों ने मिलकर मोहल्ला ईदगाह निवासी दिलशाद पुत्र समीम की लाठी डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी मामले में मृतक के भाई शादाब की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई थी मामले में आधा दर्जन आरोपी जेल जा चुके हैं। मामले में नामजद आरोपी अनस, अमन उजैद और तालिब फरार चल रहे थे। तालिब ने माननीय न्यायालय सीजीएम बिजनौर में सरेंडर कर दिया जिसमें कोर्ट ने उसे न्याय हिरासत में जेल भेज दिया। तालिब पर 15 हजार का इनाम घोषित हो गया था।

आजम खान की रिहाई पर सपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खान की रिहाई के बाद सपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। सपा के बिजनौर जिला अध्यक्ष शेख जाकिर हुसैन ने आजम खान की रिहाई को पार्टी के लिए बड़ी जीत बताया। उन्होंने कहा कि आजम खान पार्टी के मजबूत श्तंभ हैं और उनकी गैरमौजूदगी में कार्यकर्ताओं को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा।, लेकिन अब उनकी वापसी से पार्टी और मजबूत होगी। मंगलवार को सपा कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष शेख जाकिर हुसैन ने कहा कि आजम खान के जेल से बाहर आने के बाद उत्तर प्रदेश में सपा की आवाज़ फिर से बुलंद होगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि इस खुशी के मौके पर उत्साह के साथ-साथ सतर्कता भी बरतें।

बीजेपी ने जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स में किया तब्दील: अधीर

मुर्शिदाबाद, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने केंद्र सरकार पर जीएसटी को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य जीएसटी को एक या दो स्लैब तक सीमित रखना था, ताकि आम नागरिकों को कारोबार में आसानी हो और कर चोरी पर अंकुश लगे। उन्होंने बीजेपी पर कांग्रेस की इस नीति को उधार लेने का आरोप लगाया और कहा कि बीजेपी ने बड़े प्रचार-प्रसार के साथ जीएसटी लागू तो किया, लेकिन इसे गब्बर सिंह टैक्स में तब्दील कर दिया। जीएसटी के जटिल स्लैब और उच्च कर दरों ने आम लोगों और कारोबारियों को परेशान किया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने शुरू से ही जीएसटी को सरल और प्रभावी बनाने की वकालत की थी, ताकि न तो कारोबारियों को नुकसान हो और न ही सरकार को राजस्व की हानि हो। अधीर रंजन चौधरी ने जीएसटी काउंसिल की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर पश्चिम बंगाल को जीएसटी के कारण नुकसान हो रहा है, जैसा कि कुछ लोग दावा कर रहे हैं, तो राज्य सरकार ने जीएसटी काउंसिल में इसका विरोध क्यों नहीं किया?

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सरकार पहले कीमतें बढ़ाती है और फिर उसे कम करने का ढोंग रचती है। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, मान लीजिए किसी चीज का दाम पहले 10 रुपए था, उसे पहले 100 रुपए कर दिया गया और फिर उसे 50 रुपए करने की बात कही जाती है। नतीजा यह है कि 10 रुपए की चीज 50 रुपए में मिल रही है। चौधरी ने कहा कि कांग्रेस की जीएसटी नीति का मकसद आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और कर प्रणाली को पारदर्शी बनाना था, लेकिन बीजेपी सरकार ने इसे जटिल बनाकर आम लोगों और छोटे कारोबारियों पर बोझ डाला।

त्रिपुरा में पीएम मोदी के कार्यक्रम में सहयोगी दल को ही नहीं बुलाया

भड़क गई टिपरा मोथा

अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत गठबंधन सरकार के घटक दल टिपरा मोथा पार्टी ने राज्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम का निमंत्रण नहीं मिलने पर सोमवार को नाराजगी जताई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को त्रिपुरा के गोमती जिले में जीर्णोद्धार के बाद त्रिपुरेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना की।

टिपरा मोथा पार्टी टीएमपी के वरिष्ठ विधायक रंजीत देबबर्मा ने कहा, प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का निमंत्रण नहीं मिलने से हम दुखी हैं। हमारी पार्टी के प्रमुख एवं शाही वंशज प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा और पार्टी के विधायकों को इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का गवाह बनने से वंचित रखा गया। राजमाता बिभु कुमारी देवी को भी कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया, जबकि मंदिर का निर्माण महाराजा धन्य माणिक्य ने 1501 में करवाया था।''

यह घटनाक्रम बीजेपी के जनजाति मोर्चा के उपाध्यक्ष

मंगल देबबर्मा सहित चार लोगों पर पश्चिम त्रिपुरा में टीएमपी समर्थकों द्वारा हमला किए जाने के एक दिन बाद हुआ है। टीएमपी विधायक ने दावा किया कि सितंबर 1949 में भारतीय संघ और रानी कंचन प्रवा देवी के बीच त्रिपुरा विलय समझौते पर हस्ताक्षर होने से पहले, मां त्रिपुर सुंदरी का मंदिर माणिक्य शासकों के स्वामित्व में था।

जीर्णोद्धार के बाद त्रिपुरेश्वरी मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के अलावा, मुख्यमंत्री माणिक साहा और सांसद एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य वहां मौजूद थे।

84 साल बाद पहली बार बिहार में कांग्रेस का महाजुटान

पार्टी 24 सितंबर को पटना में सीडब्ल्यूसी बैठक करने जा रही

पटना, एजेंसी। बिहार में नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मियां तेज हैं। दावे-प्रतिदावों के बीच राजनीतिक दल आमजन को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए रैलियों, पदयात्राओं और जनसभाओं जैसे राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस ने पहले राहुल गांधी के नेतृत्व में वोटर अधिकार यात्रा की। उसकी सफलता से गदगद कांग्रेस अब 84 साल बाद पहली बार बिहार में अपनी कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक करने जा रही है। पार्टी 24 सितंबर को पटना में सीडब्ल्यूसी बैठक करने जा रही है। इससे पहले 1940 में पटना में सीडब्ल्यूसी की बैठक हुई थी। पार्टी की इस रणनीति से बिहार कांग्रेस के नेता गदगद हैं और उनका जोश हाई है। पार्टी नेता इसे स्वतंत्रता की दूसरी लड़ाई करार दे रहे हैं।

बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि बिहार में कांग्रेस ''स्वतंत्रता की दूसरी लड़ाई'' लड़ रही है और यही कारण है कि यह बैठक यहां बुलाई गई है। उन्होंने कहा, बिहार अब राष्ट्रीय राजनीति का केंद्र बन गया है। बिहार

के लोगों के समर्थन से, हम दूसरे स्वतंत्रता संग्राम की तैयारी कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन बिहार और भारत के लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने के लिए तैयार हैं।

सीडब्ल्यूसी मीट में कौन-कौन होंगे शामिल?

उन्होंने बताया कि सीडब्ल्यूसी बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे। इनके अलावा सीडब्ल्यूसी के सभी अन्य सदस्यों को भी आमंत्रित किया गया है। बैठक में कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के भी शामिल होने की उम्मीद है।

आजादी की दूसरी लड़ाई रहे हैं: अल्लावरू

अल्लावरू ने कहा, ''हम बिहार में दूसरी आजादी की लड़ाई रहे हैं और इसी कारण सीडब्ल्यूसी बैठक यहां हो रही है।''

एक अन्य सवाल के जवाब में अल्लावरू ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर सकारात्मक बातचीत जारी है और जल्द ही एक व्यावहारिक फार्मूला सामने आ जाएगा।

वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं कर रही सरकार– केंद्र की आलोचना करते हुए, अल्लावरु ने कहा, 11 साल बीत जाने के बावजूद, प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी और उनकी सरकार ने इन मुद्दों को सुलझाने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है। वे उन छात्रों की तरह हैं जो पढ़ाई में विश्वास नहीं रखते, बल्कि परीक्षा में नकल करते हैं। मोदी और (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित शाह चुनाव चुराते हैं, इसलिए वे लोगों की वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं करते।

सदाकत आश्रम की महत्ता क्या?

बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने इसी पत्रकार वार्ता में कहा कि सदाकत आश्रम में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक आयोजित होना पार्टी के लिए ऐतिहासिक पल है। उन्होंने कहा, ''यह हमारे लिए ऐतिहासिक क्षण है कि सदाकत आश्रम सीडब्ल्यूसी की बैठक की मेजबानी कर रहा है, जहां महात्मा गांधी, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और जवाहरलाल नेहरू जैसे महान नेताओं ने विचार–विमर्श किया था।'' उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि यह बैठक उसी सदाकत आश्रम में होगी और वहां से हम अपने राष्ट्र के भविष्य पर चर्चा करेंगे। कुमार ने सदाकत आश्रम के ऐतिहासिक महत्व का भी उल्लेख किया और बताया कि इसका निर्माण लगभग 20 एकड़ भूमि पर हुआ था, जिसे प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी मौलाना मजहरुल हक ने दान में दिया था।

मराठा आरक्षण का विरोध करने वाले की कार में लगाई आग

जालना, एजेंसी। महाराष्ट्र के जालना में एक अज्ञात व्यक्ति ने ओबीसी कार्यकर्ता नवनाथ वाघमारे की कार में आग लगा दी। पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में रविवार रात करीब 10 बजे नीलम नगर इलाके में यह घटना हुआ। यहां खड़ी कार पर एक शख्स को ज्वलनशील तरल डालकर आग लगाते हुए देखा गया। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में मदद की। हालांकि, कार का केवल ऊपरी हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ।

वाघमारे ने मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया कि यह कृत्य मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के समर्थकों ने किया, जो जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव के निवासी हैं। वाघमारे ने कदीम जालना पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है और जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा कर रही है। वाघमारे और अन्य ओबीसी कार्यकर्ता मराठा समुदाय को ओबीसी कैटेगरी के तहत आरक्षण देने का विरोध कर रहे हैं।

वाघमारे ने लगाए गंभीर आरोप

नवनाथ वाघमारे ने कहा, मेरी कार को जानबूझकर आग लगाई गई। स्थानीय लोगों ने आग फैलने से पहले इसे बुझाया। मैं डरने वाला नहीं हूं। हम संविधान का पालन करते हैं और इस तरह के कृत्यों का सहारा नहीं लेते। अगर ओबीसी कार्यकर्ताओं ने जरांगे की कार में आग लगाई होती तो क्या होता? उन्होंने इस घटना में जरांगे के समर्थकों की भूमिका का आरोप लगाया और पुलिस से उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जालना जिला मराठा, ओबीसी, धनगर और बंजारा समुदायों के बीच आरक्षण को लेकर चल रहे विवाद का केंद्र बना हुआ है।

अयोध्या विकास प्राधिकरण ने धन्नीपुर मस्जिद का ले आउट प्लान किया खारिज, सामने आई वजह

अयोध्या , एजेंसी। यूपी के अयोध्या के धन्नीपुर में मस्जिद का ले आउट प्लान अयोध्या विकास प्राधिकरण से खारिज हो गया है। इसकी यह वजह सामने आई है कि विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी नहीं किए गए थे। इसका खुलासा एक आरटीआई के जवाब में हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने 9 नवंबर, 2019 को अपने अयोध्या फैसले में उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को मस्जिद और अन्य सुविधाओं के निर्माण के लिए पांच एकड़ ज़मीन आवंटित करने का आदेश दिया था। 3 अगस्त, 2020 को, अयोध्या के तत्कालीन डीएम अनुज कुमार झा ने अयोध्या के पास धन्नीपुर गांव में पांच एकड़ ज़मीन सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को हस्तांतरित कर दी। मस्जिद ट्रस्ट ने 23 जून, 2021 को योजना की मंजूरी के लिए आवेदन किया। तब से, मंजूरी पर कोई अपडेट नहीं आया है।

दोस्तों में बढ़ानी थी इज्जत

प्रोफेसर ने केंद्रीय मंत्री के फर्जी साइन करके खुद को दिया अवार्ड

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र से एक अजीब मामला सामने आया है। यहां पर एक निजी कॉलेज में रसायन विज्ञान के एक प्रोफेसर ने अपने दोस्तों और साथी शिक्षकों के बीच अपनी इज्जत बढ़ाने के लिए केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी डॉक्टर जितेंद्र सिंह के फर्जी साइन किए और एक लेटर हेड के जरिए खुद को एक प्रतिष्ठित अवार्ड भी दे दिया। इस फर्जी पत्र के माध्यम से प्रोफेसर ने अपने साथियों के बीच में दावा किया कि उसे प्रतिष्ठित शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार दिया जा रहा है। जानकारी सामने आए पर प्रोफेसर के उस दावे की जांच की गई, जिसके फर्जी निकलने के बाद उसे भारतीय न्याय संहिता की धारा 318 (4) और 336 (जालसाजी) और अन्य संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

वघोली पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने मामले की जानकारी दी। उन्होंने कहा, आरोपी व्यक्ति कि पहचान वीरेंद्र कुमार यादव के रूप में हुई है। शुरुआती जाँच से पता चलता है कि संदिग्ध व्यक्ति ने केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के फर्जी साइन और उनके लेटर हेड का इस्तेमाल करके एक फर्जी पत्र तैयार किया था। इस फर्जी पत्र में कहा गया था कि संदिग्ध का नाम प्रतिष्ठित शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार के लिए तय किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि संयोग से, पिछले कुछ वर्षों से इस पुरस्कार का नाम बदलकर राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार कर दिया गया है, इसकी वजह से लोगों को शक हुआ। अब तक की जाँच से पता चला है कि संदिग्ध ने यह पत्र किसी सरकारी या वैधानिक संस्था को नहीं सौंपा था, लेकिन उसने अपने दोस्तों और सहकर्मियों के बीच अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए इसे जरूर दिखाया था। पुलिस अधिकारी ने बताया, हमारा मानना है इसका मकसद प्रमोशन, सैलरी में बढ़ावा, लोगों के बीच में इज्जत बढ़ाना या फिर इसका और अधिक दुरुपयोग करना भी हो सकता है। हम सभी पहलुओं पर जांच कर रहे हैं। इस अपराध का सबसे गंभीर पहलू एक केंद्रीय मंत्री के हस्ताक्षर के साथ लेटरहैड जारी करके जालसाजी करना है। अधिकारी के मुताबिक, आरोपी ने इस फर्जी पत्र को न केवल अपने दोस्तों को दिखाया बल्कि सोशल मीडिया पर भी शेयर किया। इसके बाद मंत्रालय के कुछ अधिकारियों के पास इस पत्र की सूचना पहुंची। वहां से उन्होंने इसकी जांच शुरू की। हमारी जांच में पता चला कि यह सब फर्जी है इसके बाद एनसीएल के अधिकारियों ने मामला दर्ज करने का आदेश दिया। इसके बाद आरोपी की गिरफ्तारी की गई। फिलहाल हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि आरोपी ने यह पत्र कैसे बनाया और क्या इस में उसके साथ कोई और भी शामिल था।

पूरी फैमिली खत्म करना चाहती थी स्वाति

फिर प्रेमी से कराया पड़ोसी का कत्ल; पिता-भाइयों को फंसाया

मुरादाबाद, एजेंसी। यूपी के मुरादाबाद के पाकबड़ा थाना क्षेत्र में अपने प्रेमी मनोज और उसके ममेरे भाई मंजीत से निर्दोष पेंटर योगेश की हत्या कराने वाली शातिर स्वाति ने पूरे परिवार को खत्म करने की खौफनाक प्रयास कर चुकी थी।

परिवार के लोगों को खाने में नींद की गोली देकर सुलाने के बाद प्रेमी के साथ हत्या करने की योजना उसने बनाई थी। हालांकि परिवार के कुछ सदस्य जाग गए तो वह योजना में विफल हो गई। अपने मकसद में कामयाब न होने पर उसने प्रेमी मनोज के साथ क्राइम थ्रिलर देखकर प्लानिंग की और किसी की हत्या करके पिता और भाई को जेल भिजवा कर पीछा छुड़ाने का फैसला कर लिया। इसी साजिश के तहत आरोपियों ने पेंटर योगेश की हत्या की और पिता शोभाराम और भाई कपिल और गौरव के खिलाफ केस दर्ज करा दिया।

सोमवार को पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता कर एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि बीते 18 सितंबर की सुबह पाकबड़ा थाना क्षेत्र में मौढ़ा तैय्या मोड़ से कब्रिस्तान की ओर जाने वाले चकरोड किनारे झाड़ियों में एक युवक का रक्तरंजित शव मिला था। मरने वाले की पहचान गुरैठा गांव निवासी पेंटर योगेश कुमार(22) के रूप में हुई थी। योगेश के भाई उमेश ने इस मामले में गांव के ही परचून दुकानदार शोभाराम और उसके दो बेटों गौरव और कपिल के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया था। हालांकि प्रारंभिक जांच में ही तीनों की नामजदगी गलत पाई गई। जांच पड़ताल में सामने आया कि इस हत्याकांड में शोभाराम की बेटी स्वाति, उसका प्रेमी मनोज और मनोज का ममेरा भाई मंजीत शामिल हैं। रविवार रात पाकबड़ा पुलिस ने नया मुरादाबाद में मुठभेड़ के बाद हत्याकांड को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी पाकबड़ा के बड़ा मंदिर के पास किराये पर रहने वाले बदायूं के फैजंगज बेहटा थाना क्षेत्र के गांव खेड़ादाम निवासी मनोज को पैर में गोली मारकर गिरफ्तार किया। कॉम्बिंग करके मझोला के एकता कालोनीमें रहने वाले डिलारी के गांव तेलीपुरा निवासी उसके ममेरे भाई मंजीत को गिरफ्तार कर लिया।

ऐसे की गई योगेश की हत्या

मुरादाबाद पुलिस की गिरफ्त में आए मंजीत ने पूछताछ के दौरान हत्या की पूरी कहानी बताई। उसने पुलिस को बताया कि 17 सितंबर को सुबह से मनोज उसे लेकर एक सॉफ्ट टार्गेट की तलाश में था, जिसकी हत्या कर अपनी प्रेमिका स्वाति के पिता व भाईयों को फंसा सके। उसी दौरान शाम के समय कैलसा रोड पर योगेश मिल गया। मनोज उसे अपनी बातों में फंसा कर शराब पिलाने के बहाने मझोला के मंगूपुरा स्थित शराब हट्टी पर ले गया। बाद में एमडीएम स्थित महाकालेश्वर मंदिर के बगल से हर्बल पार्क की ओर जाने वाले रास्ते पर खड़े होकर मनोज ने नमकीन लाने के बहाने योगेश को भेज दिया। उसके जाने के बाद मनोज ने योगेश की शराब में नींद की 6–7 गोलियां मिला दी, जिससे योगेश को बहुत नशा हो गया।

नोएडा प्राधिकरण के टेंडर घोटाले में विवेचक से जिरह

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। नोएडा प्राधिकरण के टेंडर घोटाले के मामले में मंगलवार को विशेष सीबीआई अदालत में सुनवाई हुई। गवाह एवं केस के विवेचक राजेश कुमार से बचाव पक्ष के वकीलों ने जिरह की। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 25 सितंबर की तारीख लगाई है। मामले में रोजाना सुनवाई हो रही है। सीबीआई से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2011 में नोएडा टेंडर घोटाला हुआ था। घोटाले की जानकारी मिलने पर सीबीआई ने मामले की जांच की थी। जांच में सीबीआई ने घोटाला होना पाया। आरोप है कि यादव सिंह ने अपनी चहेती फर्म को बिना टेंडर हुए ही काम दे दिया था। जिसमें अरबों का घोटाला होना पाया गया। इस मामले में सीबीआई ने यादव सिंह समेत 11 लोग और तीन फर्मों को आरोपी बनाते हुए अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया था। तभी से केस की सुनवाई विशेष सीबीआई अदालत में चल रही है। मामले में मंगलवार को विशेष सीबीआई अदालत में सुनवाई हुई। गवाह एवं केस के विवेचक राजेश कुमार से बचाव पक्ष के वकीलों ने जिरह की। जिरह जारी रही। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 25 सितंबर की तारीख लगाई है।

जानलेवा हमले में वांछित एक आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर्र की धर्मपुरी कॉलोनी निवासी एक महिला ने तीन अगशत को शिकायत दी थी कि कुछ पड़ोसियों ने घर में घुसकर डंडों और धारदार हथियार से हमला किया है। पुलिस ने शिकायत पर पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। इनमें से एक आरोपी सागर को गिरफ्तार कर लिया। एसीपी का कहना है कि सभी फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

लेन देन को लेकर व्यक्ति के साथ मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के थाना अंकुर विहार क्षेत्र में लेन देन को लेकर व्यक्ति के साथ मारपीट की। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। अंकुर विहार थाना क्षेत्र की रणजीत विहार गुंजन अपार्टमेंट तरुण ने कुछ समय पूर्व अपने जानकार नरेंद्र को कॉलोनी निवासी शोएब से करीब 20 हजार रुपये उधार दिलवाए थे। इसकी एवज में उन्होंने शोएब को खाली चेक दिए थे। उन्होंने बताया कि रविवार को किसी बात को लेकर शोएब से कहासुनी हो गई थी। जिस पर शोएब उन्हें अपने कार्यालय लेकर पहुंचा। कार्यालय में उसके दो साथी बैठे हुए थे। आरोप है कि तीनों ने मिलकर उनके साथ लाठी, डंडे से मारपीट की। जिससे उन्हें काफी चोट आई। उन्होंने किसी तरह से भागकर अपनी जान बचाई। बाद में उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

जिले में 49 डॉक्टरों की नियुक्ति होगी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत हुए साक्षात्कार की परिणाम को जिलाधिकारी ने हरी झंडी दे दी है। करीब डेढ़ माह से एमबीबीएस डॉक्टर परिणाम का इंतजार कर रहे थे। इन सभी को सप्ताह के अंत तक नियुक्ति देने की तैयारी है। सीएमओ की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी ने अगशत के प्रथम सप्ताह में 49 स्थानों के लिए साक्षात्कार लिए थे। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में डॉक्टरों के 40 पद, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर दो, पीएचसी पर एक, ईएमओ डीएचएस के पांच और ट्रामा सेंटर के लिए ईएमओ के एक पद के लिए वॉक इन इन्टरव्यू था। करीब 250 एमबीबीएस डॉक्टरों ने हिस्सा लिया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत एमबीबीएस डॉक्टरों की होनी है। इसके लिए डाक्टरों का लंबा इंतजार करना पड़ा। डेढ़ महीने बाद जिलाधिकारी की संस्तुति के बाद लेकिन परिणाम घोषित कर दिया गया है। सीएमओ डा. अखिलेश मोहन का कहना है कि अनुमोदन के बाद एमबीबीएस डॉक्टरों की सूची लौट आई है। सितंबर के अंतिम सप्ताह तक सभी चिकित्सकों को तैनाती दे दी जाएगी।

मामूली कहासुनी होने पर दो महिलाओं ने छात्रा के साथ की मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी थाना क्षेत्र में रामलीला मैदान के पास दो महिलाओं ने कहासुनी के बाद एक छात्रा के साथ गाली गलौज कर मारपीट की। आरोप है कि दोनों महिलाओं ने छात्रा के सिर व चेहरे पर नुकीली वश्तु से प्रहार कर घायल कर दिया। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने दो अज्ञात महिलाओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। लोनी के सादुल्लाबाद गांव निवासी नेहा गाजियाबाद स्थित एक कालेज की छात्रा है। उन्होंने बताया कि 16 सितंबर को कालेज से घर लौटते समय वह लोनी मैन बाजार स्थित रामलीला मैदान से होते हुए जा रही थी। इस दौरान एक दुकान के सामने खड़ी महिलाओं से वह टकरा गई। जिस पर उन्होंने महिलाओं से माफी मांगी। बावजूद इसके महिलाओं ने उनके साथ गाली गलौज करनी शुरू कर दी। उनके द्वारा विरोध किए जाने पर महिलाओं ने मारपीट कर किसी नुकीली वश्तु से उनके सिर व चेहरे पर प्रहार कर घायल कर दिया। आस पास के लोगों ने उन्हें किसी तरह से बचाया। जिसके बाद दोनों महिलाएं उन्हें जान से मारने की धमकी देती हुए चली गई। पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस से की। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर दो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गैराज में चोरी का 24 घंटे में खुलासा, कबाड़ी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने ओम विहार स्थित गैराज में हुई चोरी की घटना का 24 घंटे में खुलासा करते हुए कबाड़ी को गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी का सारा सामान बरामद कर लिया है। पुलिस का कहना है कि कबाड़ी ने भाड़े के तीन साथियों से वारदात कराई थी, जिनकी तलाश की जा रही है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल का कहना है कि हापुड़ निवासी फिरोज ने 22 सितंबर को क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में शिकायत दी थी। उनका कहना है कि ओम विहार स्थित उनके गैराज में चोरी हो गई है। अज्ञात चोर लाखों रुपये का सामान चोरी करके ले गए।

दो पक्षों में कहासुनी, जमकर मारपीट के बाद 16 पर FIR

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र में मामूली कहासुनी के बाद दो पक्षों में जमकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। एक पक्ष ने घर में घुसकर हमला करने और जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने का आरोप लगाया है तो दूसरे पक्ष ने मारपीट का आरोप लगाया है।

पुलिस ने दोनों पक्षों के 16 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मधुबन बापुधाम क्षेत्र की कांशीराम आवासीय कॉलोनी में रहने वाली सुनीता सागर ने थाना मधुबन बापुधाम में दी शिकायत में बताया कि 21 सितंबर की दोपहर करीब दो बजे उनका देवर सनी रोते हुए घर आया और बताया कि उसे कन्नु उर्फ कृष्णा गुप्ता और पुनीत गुप्ता ने मारा है। जब वह बाहर आईं तो आरोपी पीछा करते वहां तक आ चुके थे। आरोप है कि उन्होंने मारपीट का कारण पूछा तो आरोपियों ने उनके साथ भी गाली-गलौच और जातिसूचक शब्दों से अपमानित करते हुए मारपीट शुरू कर दी। सुनीता के मुताबिक इसी दौरान यशपाल और पुनीत की पत्नी रेशमा भी वहां पहुंच गए और मोहल्ले के लोगों के सामने उनके परिवार को गालियां देते हुए धमकाने लगे।

आरोप है कि जब मोहल्ले की नेहा और प्रिंस बीच-बचाव के लिए आए तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। पीड़िता के मुताबिक सभी आरोपी उनके घर में घुस आए और परिवार के साथ मारपीट की। सुनीता सागर ने आरोप लगाया कि इससे पहले भी आरोपी उनके परिवार के साथ मारपीट और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर चुके हैं। दूसरे मामले में कृष्ण गुप्ता की पत्नी मधु गुप्ता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि हरेंद्र सागर और उसकी सुनीता द्वारा उनके साथ पहले भी मारपीट की गई थी।

इतना ही नहीं, उनके पति को जेल गिरफ्तार कराकर प्रताड़ित किया गया। जब उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस में दी तो कोई कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि 22 सितंबर को हरेंद्र सागर, सनी, कपिल, अरुण, अंशुल, सिद्धार्थ, साधना, गुड्डी, बिजेंद्र, डिपंल और सुनीता सहित अन्य लोगों ने मिलकर उनके देवर और देवरानी पर लाठी-डंडों से हमला किया।

हमले में उसके देवर के सिर में गंभीर चोटें आईं। मधु गुप्ता के मुताबिक हरेंद्र सागर ने खुलेआम धमकी दी कि पुलिस उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती, क्योंकि वह पुलिस को अपने काबू में रखता है। मधु गुप्ता का कहना है कि यदि उनके परिवार के किसी सदस्य को कुछ भी होता है तो इसके जिम्मेदार हरेंद्र सागर और पूरी बिल्डिंग के लोग होंगे।

सीओ कविनगर भास्कर वर्मा का कहना है कि सुनीता सागर की शिकायत पर 23 सितंबर को मधुबन बापूधाम थाने में कन्नू उर्फ कृष्ण गुप्ता, पुनीत गुप्ता, यशपाल और रेशमा के खिलाफ मारपीट, धमकी तथा एससी-एसटी एक्ट के तहत तथा दूसरे पक्ष की मधु गुप्ता की शिकायत पर हरेंद्र सागर, सनीता, सनी, कपिल, अरूण, अंसुल, सिद्धार्थ, साधना, गुड्डी, बिजेंद्र, डिंपल और सुनीता के खिलाफ मारपी तथा धमकी का केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

बाइक चुराने वाला गिरोह पकड़ा, चार गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

विजयनगर पुलिस ने सोमवार रात चेकिंग के दौरान दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर चोरी की पांच बाइकों के अलावा दो चाकू और एक मास्टर चाबी बरामद हुई है। पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। डीसीपी सिटी धवल जयसवाल ने बताया कि 22 सितंबर की रात उपनिरीक्षक सतीश धामा के नेतृत्व में विजयनगर थाने की पुलिस टीम लोको शेक तिराहे पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान दो बाइकों पर सवार चार संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए।

रूकने का इशारा करने पर चारों मुड़कर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर करीब 20 कदम की दूरी पर उन्हें दबोच लिया। एक बाइक पर बैठे युवकों की पहचान क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र के भीम नगर निवासी शिवम कुमार तथा उसके पीछे बैठे युवक की पहचान क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र की लट्ठमार कॉलोनी निवासी दीपक के रूप में हुई।

वहीं, दूसरी बाइक पर बैठे युवक की पहचान क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र के लाल क्वार्टर कृष्णा नगर बागू निवासी सुबोध उर्फ पटवारी तथा उसके पीछे बैठे युवक की पहचान क्रॉसिंग रिपब्लिक के 20 फुटा बागू निवासी ध्रुव के रूप में हुई।

पुलिस को देखकर भागने का कारण पूछने पर आरोपियों ने बताया कि उनके पास मौजूद बाइक चोरी की हैं। डीसीपी का कहना है कि तलाशी लेने पर आरोपियों के पास दो चाकू और एक मास्टर चाबी भी बरामद हुई। चाकू रखने के बारे में आरोपियों ने बताया कि बाइक चुराते समय कोई व्यक्ति आ जाएं तो वह उसे धमकाने के लिए इनका इश्तेमाल करते हैं।

इसके अलावा आरोपियों ने बताया कि एक बाइक उन्होंने विजयनगर सेक्टर-नौ तथा दूसरी बाइक दिल्ली से चोरी की थी। डीसीपी सिटी के मुताबिक पुलिस टीम ने आरोपियों से सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि वह मास्टर चाबी से लॉक तोड़कर बाइक चोरी करते हैं और उन्हें झाड़ियों में छिपा देते हैं।

आरोपियों की निशानदेही पर तीन बाइकें लोको लॉबी पर स्थित पानी की टंकी के नीचे झाड़ियों से बरामद की गईं। जांच करने पर दो बाइक नगर कोतवाली से चोरी पाई गईं, जबकि तीसरी बाइक ट्रेस नहीं हो सकी। एसपी सिटी का कहना है कि पकड़े गए आरोपियों पर पहले भी मुकदमे दर्ज हैं। गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

पूजा सामग्री की दुकान में आग से अफरातफरी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

घंटाघर के चौपला मंदिर स्थित पूजा सामग्री की दुकान की दूसरी मंजिल पर मंगलवार सुबह आग लग गई।

इससे आसपास इलाके में अफरातफरी मच गई। दमकल की चार गाड़ियों ने मशक्कत के बाद एक घंटे में आग पर काबू पाया। घटना में कोई जनहानि न होने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि मंगलवार सुबह 10.17 बजे नगर कोतवाली स्थित फायर स्टेशन पर चौपला मंदिर में पूजा सामग्री की एक दुकान में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही एफएसओ कोतवाली अपने साथ चार फायर टेंडर के साथ मौके के लिए रवाना हो गए।

मौके पर जाकर देखा तो प्रह्लाद कुमापर और मुकेश कुमार की पूजा सामग्री की दुकान के द्वितीय तल पर आ लगी हुई थी। धुएं का गुबार निकल रहा था। वहीं, आग तेजी से फैल रही थी। आग इतनी भयंकर थी कि पूरे क्षेत्र में धुआं फैल गया और आसपास के लोगों में डर और अफरातफरी का माहौल बन गया। दमकल विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मोटर फायर इंजन और होजरील की दो लाइन लगाकर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। धुएं भरे वातावरण में कर्मचारियों ने बीए सेट का प्रयोग कर पूरी सुरक्षा के साथ आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

शॉर्ट सर्किट होने की आशंका चौपला मंदिर के पास सुबह 10 बजे बाजार खुलना शुरू हुआ था। सवा दस बजते ही दुकान की दूसरी मंदिर पर आग लगने से बाजार में हड़कंप मच गया। आन-फानन में दमकल विभाग को सूचना दी गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी का कहना है कि सौभाग्य से किसी भी प्रकार की जनहानि या घायल होने की घटना नहीं हुई। दमकलकर्मियों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया, नहीं तो बड़ी घटना हो सकती थी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी के मुताबिक प्रथम दृष्ट्या शॉर्ट सर्किट से आग लगने का अंदेशा है।

चांदपुर में कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

गुलदार पीड़ितों से मिलने जा रहे शेरबाज़ पठान

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

चांदपुर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बिजनौर के पूर्व जिलाध्यक्ष शेरबाज़ पठान को पुलिस ने उनके निवास स्थान पर नज़रबंद कर दिया।

जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर मंगलवार को गुलदार हमलों में मारे गए और घायल हुए पीड़ित परिवारों से मिलने के लिए कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल जाना था। लेकिन प्रशासन ने सोमवार की रात 10 बजे से ही शेरबाज़ पठान को घर पर नज़रबंद कर लिया।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने कांग्रेस के कई अन्य पदाधिकारियों को भी घरों पर नज़रबंद किया है। इनमें कांग्रेस के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष गौरव शर्मा, नगर अध्यक्ष शिव चरण शिब्बू समेत कई नेताओं के नाम शामिल हैं। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि मौजूदा सरकार नहीं चाहती कि विपक्ष पीड़ित परिवारों की आवाज़ उठाए और सरकार की खामियों को जनता के सामने लाए।

शेरबाज़ पठान ने आरोप लगाया कि सरकार पीड़ितों से मिलने से रोककर उनकी समस्याओं को दबाना चाहती है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र का गला घोंटने जैसा है और कांग्रेस इस तानाशाही रवैये के खिलाफ आंदोलन जारी रखेगी। इस दौरान उनके साथ फहीम अल्वी, नईम मंसूरी, रियाज़ आलम उर्फ नवाब एडवोकेट, असलम खान और शिव चरण शिब्बू सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नज़रबंदी की इस कार्रवाई पर कड़ी नाराज़गी जताई है और इसे अलोकतांत्रिक बताया है। उनका कहना है कि सरकार विपक्ष की आवाज़ दबाने के लिए पुलिस का सहारा ले रही है।

गुलदार ने गांव में मचाया आतंक, कुत्ते को उठाकर पेड़ पर ले गया, ग्रामीणों में दहशत

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

नजीबाबाद क्षेत्र के गांव अलीपुरा में गुलदार की दहशत फैल गई है। रात्रि में गांव में घूम रहे एक कुत्ते को गुलदार ने ग्रामीणों के सामने ही दबोच लिया और पेड़ पर चढ़कर उसे खाने लगा। यह नजारा देखकर पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद ग्रामीणों की नींद उड़ गई। लोग पूरी रात लाठी-डंडे लेकर पहरा देते रहे और गुलदार को गांव से भगाने का प्रयास करते रहे। ग्रामीणों का कहना है कि

गुलदार लगातार खेतों और जंगलों में छिपा बैठा है और कभी भी किसी इंसान पर हमला कर सकता है।

गांव वालों ने वन विभाग से तत्काल पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक गुलदार को पकड़कर सुरक्षित जगह नहीं भेजा जाता, तब तक गांव के लोग दहशत में रहेंगे। ग्रामवासियों ने यह भी अपील की है कि इस घटना की जानकारी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे ताकि प्रशासन तुरंत कार्रवाई करे और किसी बड़ी घटना को रोका जा सके।

गंगाजल प्लांट दो अक्तूबर से बंद हो जाएंगे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

हर साल की तरह इस बार भी दशहरा यानी दो अक्तूबर से ट्रांस हिंडन और सिद्धार्थ विहार को गंगाजल मिलना बंद हो जाएगा। गंगनहर की सफाई के लिए हरिद्वार से इसमें पानी छोड़ना बंद कर दिया जाएगा, जिसके चलते गंगाजल प्लांट बंद हो जाएंगे।

नोएडा को भी गंगाजल नहीं मिलेगा। दशहरा से दीवाली तक सिंचाई की जरूरत सबसे कम होती है। इस अवधि में सिंचाई विभाग की ओर से हर साल गंगनहर की सफाई की जाती है। साल भर में जमा सिल्ट को हटाया जाता है। इसीलिए हरिद्वार से गंगा का पानी इसमें बंद कर दिया जाता है। नहर में पानी नहीं होने से गंगाजल प्लांटों तक भी पानी नहीं पहुंच पाएगा और प्लांट बंद रहेंगे।

गंगाजल प्लांट प्रभारी ब्रह्मानंद का कहना है कि सिंचाई विभाग ने दो अक्तूबर से नहर बंद करने की जानकारी दी है। सामान्यतः दीवाली तक सफाई का काम चलता है। दीवाली के दिन या इसके अगले दिन तक पानी आता है। दो अक्तूबर को गंगनहर में जलश्तर गिरने के बाद प्लांट बंद कर दिए जाएंगे। सफाई के बाद प्लांट तक पानी आते ही इन्हें चालू कर दिया जाएगा। नलकूप से आपूर्ति का दावा ट्रांस हिंडन के इंदिरापुरम, वसुंधरा, वैशाली, कौशांबी व डेल्टा कॉलोनी के अलावा आवास एवं विकास परिषद की सिद्धार्थ विहार योजना में गंगाजल की आपूर्ति होती है।

एटीएम में डेबिट कार्ड बदल 1 लाख निकाले

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

टीला मोड़ थानाक्षेत्र में जालसाज ने एटीएम के अंदर डेबिट कारड् बदलकर एक उद्यमी के खाते से एक लाख रुपये निकाल लिए। 19 अगश्त को हुई ठगी में एक माह तक टक्कर काटने के बाद रिपोर्ट दर्ज की गई है।

गरिमा गार्डन में रहने वाले विशाल दीक्षित का सोलर लाइट बनाने का काम है। उन्होंने बताया कि 19 अगश्त 2025 को वह पास के एक्सिस बैंक के एटीएम से पैसे निकालने गए थे। उन्होंने एडीएफसी बैंक का डेबिट कार्ड डाला, लेकिन रुपये नहीं निकले। इसी दौरान पीछे से एक युवक आया और उनका डेबिट कार्ड निकालकर बोला, मैं बताता हूं रकम कैसे निकलेगी।

उन्होंने रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी नहीं माना। उसने दोबारा डेबिट कार्ड डाला और कहा कि अब पिन डालो। जालसाज ने काफी जल्दबाजी दिखाई, जिसके चलते वह कुछ समझ नहीं पाए और पिन नंबर डाल दिया।

इसके बाद भी पैसे नहीं निकले और उसने डेबिट कार्ड उन्हें दे दिया। बाद में उनके खाते से कई बार एक लाख रुपये एटीएम से निकल गए। मैसेज आने पर कार्ड देखा, जो उनका नहीं था। इसके बाद उन्हें जालसाजी का पता चला। इसके बाद 3600 रुपये की ऑनलाइन खरीददारी भी की।

विशाल ने बताया कि शिकायत देने चौकी पहुंचे, जहां से थाने भेज दिया गया। थाने से फिर चौकी भेजा गया। वह बार-बार पुलिसकर्मियों से गुहार लगाते रहे, लेकिन एटीएम के बाहर लगे कैमरों की फुटेज चेक नहीं की।

वह बैंक गए तो पता चला कि एटीएम के अंदर लगे कैमरे पर काला स्प्रे जालसाज ने पहले ही कर रखा था। उसी एटीएम में ठगी का शिकार हुए कुछ और लोग भी बैंक में मिले। काफी प्रयास करने के बाद भी सुनवाई नहीं हुई तो डीसीपी ट्रांस हिंडन के कार्यालय में गुहार लगाई।

इसके बाद रिपोर्ट दर्ज की गई। डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील ने बताया कि किसी अन्य पीड़ित की शिकायत नहीं मिली है। बैंक से फुटेज मांगी गई है। आसपास लगे कैमरे भी खंगाल रहे हैं। पहचान कर जालसाज को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

गैराज में चोरी का पुलिस ने किया 24 घंटे में खुलासा, कबाड़ी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने ओम विहार स्थित गैराज में हुई चोरी की घटना का 24 घंटे में खुलासा करते हुए कबाड़ी को गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी का सारा सामान बरामद कर लिया है।

पुलिस का कहना है कि कबाड़ी ने भाड़े के तीन साथियों से वारदात कराई थी, जिनकी तलाश की जा रही है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल का कहना है कि हापुड़ निवासी फिरोज ने 22 सितंबर को क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में शिकायत दी थी। उनका कहना है कि ओम विहार स्थित उनके गैराज में चोरी हो गई है। अज्ञात चोर लाखों रुपये का सामान चोरी करके ले गए।

जानकारी करने पर पता चला कि डूंडाहेड़ा के फैजान कबाड़ी ने अपने साथियो के द्वारा घटना को अंजाम दिलाया है।

सीओ के मुताबिक शिकायत के आधार पर केस दर्ज करते हुए घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी। इसी क्रम में 22 सितंबर की रात मुखबिर की सूचना पर घटना को अंजाम देने वाले मुख्य अभियुक्त डूंडाहेड़ा में सर्व यूपी ग्रामीण बैंक के पास रहने वाले फैजान उर्फ समीर को गिरफ्तार कर लिया गया।

मूलरूप से थाना बनियाठेर जिला संभल के कस्बा बनियाठेर का रहने वाले 21 वर्षीय फैजान को उसकी डूंडाहेड़ा स्थित दुकान से गिरफ्तार किया गया।

सीओ ने बताया कि फैजाम के कब्जे से गैराज से चुराई गईं तीन नंबर प्लेट, एक एयर फिल्टर बॉडी, एक पॉवर स्टेयरिंग रेक, एक जैक, टूल किट, दो टायर व्हील ब्रेक हब, एक ग्लेंडर, दो कार स्टीरियो आईबॉल व सोनी सीडी चेंजर, कार की जली हुई एक वायरिंग, कार का एक एसी कम्प्रेशर, एक कार फ्यूल पंप, दो रेडियेटर मोटर, एक स्टपनी, एक कूलर किट, चार टायर 16 इंची, एख टायर 13 इंची, कार डेकोरेशन लाइट, एक एलॉय व्हील, दो रेडियेटर मोटर, एक कूलर किट बरामद हुई है।

चोरी का माल मिलने पर केस में माल बरामदगी की धारा बढ़ाई गई है। एसीपी वेव सिटी के मुताबिक पूछताछ में फैजान ने बताया कि कबाड़ी की दुकान करता है।

उसका काम ठीक नहीं चल रहा है। वह शंभू व बिट्ट निवासी डूंडाहेड़ा और उनके साथी अरशद उर्फ गज्जू को पहले से जानता था। उसने इन्हीं तीनों को रुपयों का लालच देकर ओम विहार में बंद पड़े कार गैराज से सामान चोरी कराया था।

फैजान के मुताबिक उसने शंभू, बिट्टू और अरशद उर्फ गज्जू को रुपये देकर चोरी का माल अपनी दुकान में छिपा लिया था। वह उसे बेचने ही वाला था कि पुलिस ने उसे पकड़कर चोरी का साला माल बरामद कर लिया।

सीओ वेव सिटी का कहना है कि घटना को अंजाम देने वाले फरार तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

विद्यालय में संपन्न हुई बस्ता प्रतियोगिता

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबंध सरस्वती विद्या मंदिर नगीना,बिजनौर* में बश्ता प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

जिसमें शिशु वर्ग में कक्षा अरूण के भैया आरब कुमार,युवराज राजपूत एवं पुनीत सूर्या ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान, उदय कक्षा में भैय्या अक्षु, कुणाल एवं काव्यांश, युग ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व त्रतिय स्थान, प्रभात कक्षा में बहिन प्रीतिका, भैय्या अंश एवं बहिन तान्या ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व त्रतिय स्थान ,कक्षा प्रथम में भैय्या दिव्य राजपूत,बहिन आरोही एवं भैय्या अभ्यम ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व त्रतिय स्थान ,कक्षा द्वितीय में भैय्या हृदयांश कुमार,हार्दिक एवं बहिन पीहू ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व त्रतिय स्थान,कक्षा त्रतिय की बहिन आरोही, ईशानी एवं भैय्या नैतिक जोशी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व त्रतिय स्थान, कक्षा चतुर्थ में बहिन दिशा, कुंजिका एवं भैया लक्ष्य ने क्रमशः प्रथम ,द्वितीय व त्रतिय स्थान, कक्षा पंचम में भैय्या मृदुल भारद्वाज, बहिन विधि चौहान एवं भैय्या विराट सिंह ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान , बाल वर्ग में कक्षा शष्ठ की बहिन वंशिका, वेदिका एवं भैय्या प्रशांत ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व त्रतिय स्थान, कक्षा सप्तम में भैय्या आयुष, बहिन पलक चौधरी एवं आयुषी गौतम ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व त्रतिय स्थान, कक्षा अष्टम में भैय्या विनायक प्रजापति, मोहित एवं विराज मिश्रा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय ,व तृतीय स्थान,किशोर वर्ग कक्षा नवम में बहिन आँचल चौधरी, भैय्या पराग चौहान एवं जुगनेश्वर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व त्रतिय स्थान,कक्षा दशम में बहिन भूमिका, आक्रति विश्नोई एवं संस्कृति सैनी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान, तरुण वर्ग मे कक्षा एकादश में बहिन प्रिया सैनी, दृप्ति चाहर एवं छवि चौहान ने क्रमशः प्रथम,द्वितीय व तृतीय स्थान, कक्षा द्वादश में बहिन नैना चौहान, कल्पना एवं आयुषी राजपूत ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश सिंह ने सभी भैया बहिनों को सम्मानित किया। इस अवसर पर विभाग की प्रमुख आचार्य बहिन अदिति एवं प्रतिभा सहित समश्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

कस्तूरबा विद्यालय में मिशन शक्ति 5 का अनूठा आयोजन

बालिकाओं ने निभाई बीईओ व वार्डन की जिम्मेदारी

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

कश्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, पुरैनी में चल रहे मिशन शक्ति 5 अभियान के तीसरे दिन विद्यालय की दो बालिकाओं को विशेष अवसर प्रदान किया गया। इस दौरान एक बालिका को विद्यालय की वार्डन तथा दूसरी को खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) कोतवाली की जिम्मेदारी सौंपी गई।

इस अभिनव पहल का उद्देश्य छात्राओं में नेतृत्व क्षमता और जिम्मेदारी का बोध कराना रहा। कार्यक्रम में बीईओ कोतवाली, विद्यालय की वार्डन सुषमा रानी, कल्पना रानी, शोरभी, कुसुम रानी, अनवर जहां, पवन, अनीता शर्मा और नाज परवीन सहित स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने बताया कि ऐसे आयोजन से बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे समाज में सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित होती।

भाकियू अराजनीतिक की ब्लॉक में बैठक आयोजित

नहटौर। ब्लॉक परिसर में भारतीय किसान अराजनैतिक की बैठक आयोजित हुई। जिसमें वक्ताओ ने संगठन मजबूती पर जोर देते हुए संगठन के विश्तार पर चर्चा की गई।

इसके अलावा पूरे जिले में गुलदार के आतंक पर रोकथाम नहीं लगने पर रोष प्रकट किया गया। उन्होंने वन विभाग से गुलदारों को पकड़वाए जाने और निराश्रित गोवंशों से किसानों की फसलों को हो रहे नुकसान का मुआवजा भी दिलाए जाने की मांग की गई। जर्जर विद्युत तारों को बदलवाने की भी मांग की गई।

बैठक में तेजवीर सिंह, मोहित कुमार, जॉनी कुमार, राज बहादुर सिंह, संजय कुमार, प्रमोद कुमार, प्रीतम सिंह केवल सिंह, नेपाल सिंह, धर्मवीर सिंह, प्रदीप कुमार, टीकम सिंह आदि मौजद रहे।

संपादकीय

राहुल के निशाने पर सरकार या विपक्ष?

2024 के आम चुनाव से पहले खुद इंडिया ब्लॉक ने राहुल गांधी को गठबंधन का नेता मानने से इनकार कर दिया था। ममता और केजरीवाल का विरोध देख कांग्रेस बैकफुट पर थी। ऐन चुनाव के वक्त किसी फजीहत से बचने के लिए पार्टी ने किसी प्रकार मल्लिकार्जुन खड़गे को गठबंधन का अध्यक्ष बनवा लिया था। राहुल चाहे विपक्ष से पीएम कैंडिडेट नहीं बन सके पर खड़गे के अध्यक्ष चुने जाने से कांग्रेस की बड़े भाई वाली भूमिका किसी प्रकार सुनिश्चित हो सकी और यहीं से शुरू हुई राहुल को देश का नेता नंबर दो यानी विपक्ष का नेता नंबर एक बनाने की कवायद।

आज कांग्रेस के थिंकटैंक की दृष्टि स्पष्ट है कि केंद्र से लेकर राज्यों तक मोदी का अगर कोई प्रतिद्वंद्वी हो तो वह सिर्फ और सिर्फ राहुल गांधी हों। 2024 के आम चुनाव और उसके बाद पांच राज्यों के चुनावों के नतीजों पर कांग्रेस के आंतरिक मंथन से यही निकलकर आया कि राज्यों में पार्टी की पकड़ बहुत कमजोर हो चुकी है, विशेषकर उन राज्यों में, जहाँ कोई तीसरा दल मजबूत है।

यूपी, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली, पंजाब और बंगाल तक कांग्रेस पार्टी को भाजपा से अधिक नुकसान स्थानीय दल पहुंचा रहे हैं। कमजोर संगठन और बड़े चेहरे के अभाव के कारण चुनावों में क्षेत्रीय दलों के साथ आपसी खींचतान के बावजूद कांग्रेस को बहुत कम सीटें दी जाती हैं। इतनी कम कि वह राज्य में उसके गठबंधन की सरकार बन जाने पर भी पार्टी किसी परजीवी से अधिक नहीं दिखाई पड़ती। खस्ताहाल संगठन के भरोसे अकेले चुनाव लड़ना फिलवक्त कांग्रेस के बस का काम नहीं है। कांग्रेस के लिए गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य ज्यादा अच्छे हैं, जहाँ बुरी तरह चुनाव हार जाने पर भी वह भाजपा का अकेला विकल्प बनी रहती है।

तीसरी शक्ति की उपस्थिति वाले राज्यों में कांग्रेस पार्टी का वर्चस्व स्थापित करने के लिए ही पिछले दो-तीन वर्षों से लगातार राहुल गांधी कोई न कोई नया मुद्दा उठाकर राष्ट्रीय चर्चाओं के केंद्र में हैं फिर चाहे वह चीन द्वारा भारत की जमीन हड़पने का आरोप हो या अमेरिका में ही प्रतिबंधित कर दी गयी वित्तीय सलाहकार कंपनी हिन्डनबर्ग की रिपोर्ट, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और बाद में सरकार और सेना पर उंगली उठाना हो या अब वोट चोरी का मुद्दा। राहुल के ये हमले प्रथम दृष्टया तो केंद्र सरकार पर हैं मगर इनके गर्भ में भाजपा विरोधी विचारधारा के मध्य उनकी राष्ट्रीय लोकप्रियता को शीर्ष तक पहुंचाना ही असल मकसद है। संक्षेप में कहें तो निशाने पर कोई और दिख रहा है जबकि निशाना है कहीं और ही।

राहुल गांधी को राष्ट्रीय शतर पर मोदी से मोर्चा लेने में सक्षम दिखाने के प्रयास 2018 से ही प्रारंभ हो चुके थे। संसद में कठोर बयानबाजी के शुरुआती प्रयास को सरकार ने अपनी साख-रक्षा में चौतरफा हमले से कमजोर कर दिया। उल्टा सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगकर पार्टी की किरकिरी ही हो गयी। इसके बाद पैदल यात्राओं का प्रयोग हुआ पर इसमें अत्यधिक समय और श्रम खर्चने के बाद भी अल्पसंख्यक समाज के बीच राहुल की वह छाप स्थापित नहीं हो सकी जिसकी अपेक्षा की जा रही थी।

ऐसे में आगामी बिहार चुनावों से पहले कांग्रेस मीडिया की सुर्खियों के माध्यम से विपक्षी वोटों के खेमे में राहुल की लोकप्रियता को इस हद तक गहरा करना चाह रही है कि कांग्रेस अपने दम पर 30-35% तक वोट प्राप्त कर सके। कम से कम 25 फीसद तो हो ही। प्रयास यह है कि कांग्रेस का पुराना वोटर यानी मुस्लिम समुदाय राज्यों के चुनाव में भी पार्टी के साथ आए। कुछ दशकों से विधानसभा चुनावों में यह वोटर क्षेत्रीय दलों के साथ चला जाता है। यही कारण है कि क्षेत्रीय दल राज्यों के चुनाव में कांग्रेस को ज्यादा तरजीह नहीं देते।

यह विपक्षी वोटबैंक में सेंध लगाने की कांग्रेस पार्टी की महत्वाकांक्षा ही है जिसके कारण सभी गैर एनडीए दल मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए लगातार गैर लोकतांत्रिक प्रयोग कर रहे हैं। जानकारों का मानना है कि 2024 चुनावों के बाद इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन भी पसोपेश में है। केंद्र में कांग्रेस के बेहतर प्रदर्शन के बाद राज्यों के चुनाव में किसे समर्थन दिया जाए, इसे लेकर निश्चत रूप से असमंजस है जबकि दिल्ली चुनावों में कांग्रेस ने आआपा की हार सुनिश्चित कराकर विपक्षी वोटबैंक लॉबी को अपनी ताकत का अहसास भी करा ही दिया है।

यही कारण है कि बिहार में आरजेडी हो या यूपी में सपा, दोनों ही पार्टियाँ कांग्रेस के निर्णय को लेकर सतर्क भी हैं और राहुल गांधी के साथ सहयोगी भी। लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी के कार्यक्रम निरश्त करने वाले विपक्षी दल आज कांग्रेस पार्टी के कैम्पेन में खुद सहयोगी बनकर खड़े हैं। मतलब कांग्रेस की रणनीति के पासे इस वक्त बिल्कुल सही पड़ रहे हैं। राहुल गांधी की सरकार विरोधी छवि आखिरी आदमी तक स्थापित हो जाने के बाद राज्यों में सीट बंटवारे के वक्त पार्टी को बैकफुट पर नहीं रहेना पड़ेगा। यहाँ सबसे महत्वपूर्ण यह है कि 2029 के लोकसभा चुनाव में मोदी के समक्ष विपक्ष का सबसे बड़ा चेहरा होने के नाते राहुल गांधी को चुनाव पूर्व प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार प्रोजेक्ट कराने का राश्ता भी खुल जाएगा। कांग्रेस की आक्रामकता बता रही है कि 2029 के लोकसभा चुनाव में समूचा विपक्ष साथ दे या न दे, पार्टी राहुल गांधी को निश्चित रूप से चुनाव पूर्व ही बतौर पीएम कैंडिडेट प्रश्तुत करेगी।

भाजपा के रणनीतिकार कांग्रेस की समूची मुहिम पर करीब से नजर बनाए हुए हैं हालांकि उन्हें विपक्षी वोटबैंक में राहुल की प्रसिद्धि बढ़ने से अधिक परेशानी नहीं है क्योंकि सीधे चुनाव में भाजपा अधिकतर कांग्रेस पर भारी पड़ती आयी है। यही कारण है कि राहुल गांधी के सनसनीखेज आरोपों के बावजूद पार्टी और सरकार का रुख अपेक्षाकृत लचीला है। भाजपा भी कई मौकों पर दो दलीय या राष्ट्रीय दलों वाले लोकतंत्र की पक्षधर रही है।

अमेरिकी आत्मघाती वीजा बंदिशें, भारत के नये अवसर

ललित गर्ग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के पेशेवरों, खासकर भारतीयों के सपनों पर एक नई काली छाया डाल दी है, उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है एवं एक बड़ा संकट खड़ा दिया है। 21 सितंबर की रात 12 बजे के बाद अमेरिका में प्रवेश करने वालों को एच1बी वीज़ा प्राप्त करने के लिए लगभग एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये सालाना शुल्क देना होगा।

यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा, प्रतिभा-प्रवास और अमेरिका-भारत संबंधों पर गहरा प्रभाव डालने वाला कदम है। अमेरिका के इस कदम के बाद भारत को अपनी आत्म-निर्भरता, स्वदेशी भावना एवं देश की प्रतिभाओं का देश में ही उपयोग को बल देना होगा। भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के साथ अवसरों की भूमि बन रहा है। इसलिये अमेरिका के निर्णय से ज्यादा परेशान होने की बजाय इसको सकारात्मक दृष्टि से लेने की जरूरत है।

निश्चित ही अमेरिका दशकों से अवसरों की भूमि माना जाता रहा है। यहां आने का सपना रखने वालों के लिए एच1बी वीज़ा एक सुनहरा टिकट एवं उन्नत जीवन का आधार रहा है। हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ इस वीज़ा के माध्यम से अमेरिका जाकर अपने सपनों को साकार करते रहे हैं। सिलिकॉन वैली की चमक और वहां भारतीय प्रतिभाओं का वर्चस्व इसका जीता-जागता प्रमाण है।

गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम और फेसबुक जैसी दिग्गज कंपनियों में उच्च तकनीकी पदों पर भारतीय मूल के लोगों की उपस्थिति सर्वाधिक है। भारतीय आईटी पेशेवरों के बिना अमेरिकी तकनीकी जगत की कल्पना करना कठिन है। एच-1 बी वीजा की फीस में अप्रत्याशित वृद्धि का फैसला भारतीय आइटी कंपनियों के साथ अमेरिकी हितों को भी चोट पहुंचाने वाला है। इनमें आइटी सेक्टर से इतर क्षेत्र की कंपनियां भी हैं। इसका प्रमाण यह है कि उनके फैसले की आलोचना अनेक अमेरिकी ही कर रहे हैं।

यदि ट्रंप यह सोच रहे हैं कि एच-1बी वीजा धारकों की फीस एक हजार डालर से एक लाख डालर सालाना करने से भारतीय और अमेरिकी कंपनियां अमेरिका के युवाओं को नौकरी देने के लिए बाध्य हो जाएंगी तो यह उनकी भूल है, क्योंकि इन कंपनियों को जैसे और जितने सक्षम युवा पेशेवर चाहिए, वे अमेरिका में हैं ही नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति यह भी भूल रहे हैं कि अमेरिका के आर्थिक विकास में अप्रवासियों विशेषतः भारतीय प्रतिभाओं का सर्वाधिक योगदान है और यह केवल पेशेवर लोगों का ही नहीं, बल्कि कामगारों का भी है।

भले ही ट्रंप प्रशासन का यह आदेश उनकी "अमेरिका फर्स्ट" नीति की अगली कड़ी है। उनका तर्क है कि विदेशी पेशेवर सश्ते श्रम के रूप में अमेरिकी नागरिकों की नौकरियां छीन रहे हैं। शुल्क इतना अधिक करके वे चाहते हैं कि केवल वही विदेशी पेशेवर अमेरिका आएं, जो न केवल उच्च योग्यता रखते हों बल्कि भारी शुल्क अदा करने की क्षमता भी रखते हों।

लेकिन यह कदम अमेरिका के लिये ही आर्थिक दृष्टि से आत्मघाती साबित हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी कंपनियों को उच्च कौशल वाले पेशेवरों की भारी ज़रूरत है और भारतीय आईटी पेशेवरों की कमी वहां सीधे तौर पर नवाचार और प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगी। ट्रंप के फैसले को आपदा नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देखना चाहिए।

पहले भारतीय प्रतिभा अमेरिका की ओर बहती थी, अब यह प्रवाह कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर की ओर मुड़ सकता है। छात्र और युवा पेशेवर पहले से ही अमेरिकी वीज़ा नीतियों को लेकर असमंजस में रहते थे। अब यह आदेश उनके आत्मविश्वास और योजनाओं को और झकझोर देगा।

हालांकि एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि कई युवा भारत में ही स्टार्टअप्स, शोध और नई तकनीक के क्षेत्रों में काम करने की ओर आकर्षित होंगे। भारत पर इस नीति का असर

केवल युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक असर डाल सकता है। भारतीय आईटी कंपनियां जैसे इन्फोसिस, टीसीएस, विप्रो आदि अमेरिका में बड़े पैमाने पर कार्यरत हैं। एच1बी वीज़ा पर निर्भरता ज्यादा होने के कारण उनका खर्च बढ़ेगा और प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी। भारतीय पेशेवर हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं, वीज़ा बाधाओं से यह प्रवाह घटेगा। हजारों भारतीय छात्र अमेरिका में उच्च शिक्षा लेकर वहीं काम करने का सपना देखते हैं। अब शुल्क की बाधा उनके लिए अमेरिका को कम आकर्षक बनाएगी। साथ ही भारत में ही वैश्विक श्तर के शोध और नवाचार केंद्र विकसित करने की संभावना भी बढ़ेगी।

अमेरिका और भारत के संबंध बीते दो दशकों में आर्थिक, रणनीतिक और तकनीकी सहयोग की नई ऊँचाइयों पर पहुंचे हैं। अमेरिका ने भारत को रणनीतिक साझेदार माना है। रक्षा, व्यापार और तकनीक में गहरे संबंध बने हैं और भारतीय प्रवासी अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

लेकिन ट्रंप के निर्णय से यह संदेश गया है कि अमेरिका भारत को साझेदार तो मानता है, लेकिन जब घरेलू राजनीति का दबाव आता है तो साझेदारी पीछे छूट जाती है। भारत-अमेरिका संबंधों का आधार लोगों से लोगों का संपर्क रहा है। यदि भारतीय पेशेवर अमेरिका में कम होते हैं तो यह आधार कमजोर होगा। इन जटिल से जटिलतर होती स्थितियों में भारतीय कंपनियों को देश में ही अपना कारोबार बढ़ाने के जतन करने चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में ट्रंप कुछ और ऐसे कदम भारतीय हितों को आहत करने वाले उठा सकते हैं।

उन्होंने भले ही टैरिफ के मामले में लचीला रवैया अपनाते हुए भारत से शीघ्र व्यापार समझौता होने की संभावना जताई हो, लेकिन वे अब भी भारतीय हितों के विपरीत काम करते दिख रहे हैं।

वे केवल यही दबाव नहीं बना रहे कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करे, बल्कि उन्होंने ईरान के चाबहार बंदरगाह में भारत के लिए मुसीबत खड़ी करने का काम किया है। ट्रंप अपने फैसलों को इस रूप में रेखांकित कर रहे हैं कि उनसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पंख लग जाएंगे, लेकिन आठ माह का उनका कार्यकाल उनकी नाकामी ही बयान कर रहा है।

चौंकाने वाले फैसले लेना भले ही ट्रंप की आदत हो, लेकिन सेवा क्षेत्र में पहली बार अपनी संरक्षणवादी नीति के दर्शन करा, वह भूल रहे हैं कि अमेरिका को बनाने में अप्रवासियों की बड़ी भूमिका रही है। सिलिकॉन वैली के करीब एक-तिहाई टेक-कर्मचारी भारतीय मूल के हैं। फॉर्च्यून 500 की लगभग डेढ़ दर्जन कंपनियों में शीर्ष पर भारतीय बैठे हैं, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के इंजन भी हैं। 2024 में 72 यूनिकॉर्न स्टार्टअप भारतीय मूल के लोगों के थे, जिनका कुल मूल्य करीब 195 अरब डॉलर आंका गया था। इन कंपनियों में अमेरिकी भी काम करते हैं। अमेरिकी आबादी में बमुश्किल डेढ़ फीसदी होने के बावजूद भारतीय पांच से छह फीसदी कर अदा करते हैं। नैसकॉम का यह कहना उचित ही है कि एच-1बी वीजा जैसे फैसलों का नकारात्मक असर अमेरिका में नवाचार के माहौल और रोजगार आधारित अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

दुनिया के अन्य देशों की नीतियों से तुलना की जाए तो कनाडा प्रवासी पेशेवरों और छात्रों को आकर्षित करने के लिए वीज़ा और स्थायी निवास की नीतियों को सरल बना रहा है। जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया तकनीकी प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए रेड कार्पेट बिछा रहे हैं, जबकि अमेरिका उल्टा राश्ता चुन रहा है जो दीर्घकाल में उसे वैश्विक प्रतिभा की कमी की ओर धकेल सकता है।

भारत के लिए यह अवसर है कि वह प्रतिभाओं के पलायन को रोकने के लिए अपनी नीतियों और बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाए। शिक्षा, शोध और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देकर भारत अमेरिका के विकल्प के रूप में उभर सकता है।

अमेरिका के लिए यह कदम उसके उस आदर्श को धूमिल करेगा जिसके अनुसार वह इमिग्रेशन की भूमि कहलाता है और उसकी वैश्विक नेतृत्व क्षमता को कमजोर करेगा। रवींद्रनाथ टैगोर की ये पंक्तियाँ यहां सार्थक लगती हैं-"स्वतंत्रता वह है, जहां ज्ञान निर्भय होता है और दुनिया सीमाओं से विभाजित नहीं होती।" अमेरिका की यह दीवार प्रतिभा की उड़ान को थाम नहीं पाएगी। भारतीय युवाओं को अब अपने ही देश को अवसरों की भूमि में बदलना होगा।

जल्द नहीं थमेगी सोने की कीमत

डा. अश्विनी महाजन

नौ सितंबर को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें अपने सर्वकालिक उच्च श्तर 3673.95 डॉलर पर पहुंच गईं और इस साल अब तक सोने की कीमतों में 38 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मजबूत निवेश मांग के चलते ऑस्ट्रेलियाई ऋणदाता एएनजेड समूह ने सोने की कीमत का अनुमान बढ़ाकर इस वर्ष के अंत तक 3800 डॉलर प्रति औंस कर दिया है। एएनजेड ने उम्मीद जताई है कि अगले जून तक कीमतें 4000 डॉलर के करीब पहुंच जाएंगी।

कमजोर डॉलर, मजबूत केंद्रीय बैंक खरीददारी, नरम मौद्रिक रुख और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता ने सोने की बढ़ती कीमतों को बल दिया है। केंद्रीय बैंक की सोने की खरीद 2025 में 900 मीट्रिक टन से 950 मीट्रिक टन के बीच रहने का अनुमान है, जिसका अर्थ है कि वर्ष की दूसरी छमाही में 485 टन से 500 टन तक की खरीद होने की उम्मीद है। चीन के केंद्रीय बैंक ने अगश्त में अपने सोने के भंडार में काफी वृद्धि की जिससे लगातार सर्राफा की खरीद जारी रही।

श्रम बाजार के लिए बढ़ते जोखिम के कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व मार्च 2026 तक अपना नरम रुख जारी रख सकता है। इस वजह से अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड पर दबाव बढ़ेगा, जो सोने की खरीद को प्रेरित कर सकता है। एएनजेड ने सोने की तेजी और मजबूत ईटीएफ प्रवाह का हवाला देते हुए, वर्ष के अंत में चांदी की कीमत का लक्ष्य भी बढ़ाकर 44.7 डॉलर प्रति औंस कर दिया है।

सोने की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी : 1988 में सोने की कीमत 430 डॉलर प्रति औंस थी, जो सितंबर 2018 तक बढक़र 1195 डॉलर प्रति औंस हो गई, यानी 30 वर्षों में 3.43 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि। लेकिन पिछले 7 वर्षों में सोने की कीमत लगभग 17.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढक़र अब 3654 डॉलर तक पहुंच गई है। दुनिया भर के आर्थिक विश्लेषक सोने की कीमतों में उछाल के पीछे वैश्विक मौद्रिक और वित्तीय स्थितियों में महत्वपूर्ण बदलावों की ओर इशारा कर रहे हैं। भारत में सोने के साथ एक भावनात्मक जुड़ाव है, जो शायद कई देशों में नहीं पाया जाता, और यही बात लोगों को यह जानने के लिए उत्सुक बनाती है कि सोने की कीमतों में अचानक इतनी तेजी क्यों आई है।

लोग, खासकर हमारी महिलाएं, अपनी बचत को सोने के रूप में रखने में गर्व महसूस करती हैं। अनुमान है कि दुनिया में कुल ज्ञात सोने में से, जो 187000 टन है, लगभग 25000 टन भारत में पाया जाता है, जो भारतीय घरों में ऐतिहासिक रूप से रखे गए सोने और समय के साथ दुनिया के बाकी हिस्सों से सोने की खरीद का परिणाम है।

भारत के केंद्रीय बैंक, यानी भारतीय रिजर्व बैंक के पास 31 दिसंबर 2024 तक 876 टन सोना है, जो अब दुनिया में 8वां सबसे बड़ा भंडार है। उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2023 में भारत का स्वर्ण भंडार दुनिया में 9वां सबसे बड़ा था। लेकिन दिसंबर 2023 और दिसंबर 2024 के बीच 73 टन सोने की खरीद के साथ, भारत का स्वर्ण भंडार अब दुनिया में 8वां सबसे बड़ा है।

डॉलर से विमुखता, यानी सोने के प्रति प्रेम : दुनिया के देशों, खासकर विकासशील देशों को, पिछले कुछ दशकों में डॉलर के लगातार मजबूत होने के कारण भारी नुकसान हुआ है। इस मामले में भारत भी कोई अपवाद नहीं है। हाल ही में भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय भुगतानों में रुपए की भूमिका बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। इस संबंध में, लगभग 20 देशों के साथ रुपए में अंतरराष्ट्रीय भुगतान निपटान के लिए व्यवस्था की गई है। दूसरी ओर, उथल-पुथल और खासकर अमेरिका और यूरोपीय देशों द्वारा रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय लेनदेन में कठिनाई के कारण, स्थानीय मुद्राओं में भुगतान करने के प्रयासों में उल्लेखनीय तेजी आई है। इन सभी को दुनिया में समग्र रूप से डॉलर-विमुक्ति का एक अभिन्न अंग माना जा रहा है। देशों की सरकारों और केंद्रीय बैंकों की डॉलर के प्रति विमुखता ने सोने की मांग में अभूतपूर्व वृद्धि की है।

भविष्य की संभावनाएं : हालांकि सोने की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, लेकिन भविष्य में भी यह वृद्धि जारी रह सकती है या इसकी गति में और तेजी आ सकती है। सोने की कीमतों में इस वृद्धि के कई कारण बताए जा रहे हैं। सर्वप्रथम, अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की उदार नीति इसका सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। अमरीका का फेडरल रिजर्व आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने हेतु पिछले कुछ समय से ब्याज दर को घटाने का रुख अपनाए हुए है, जिससे अमरीकी ट्रेजरी में यील्ड कम रहेगी, जिसके चलते सोने में ज्यादा लाभ रहने की संभावना है।

इसके अलावा कम ब्याज दरें सोने की अवसर लागत को कम करती हैं। जब ब्याज दरें ऊंची होती हैं, तो निवेशक बॉन्ड या जमा को प्राथमिकता देते हैं क्योंकि इनसे सुरक्षित रिटर्न मिलता है। लेकिन जब दरें कम होती हैं, तो सोना रखने की अवसर लागत कम हो जाती है, जिससे यह अधिक आकर्षक हो जाता है।

साथ ही आसान मौद्रिक नीति अक्सर अमेरिकी डॉलर के मूल्य में गिरावट का कारण बनती है, क्योंकि अधिक डॉलर प्रचलन में होते हैं। अंतरराष्ट्रीय श्तर पर सोने की कीमत डॉलर में तय होती है। कमजोर डॉलर विदेशी खरीददारों के लिए सोने को सश्ता बनाता है, जिससे मांग बढ़ती है। आसान मौद्रिक नीति मुद्रा आपूर्ति को बढ़ाती है और समय के साथ मुद्रास्फीति को बढ़ावा दे सकती है। सोने को मूल्य के भंडार और मुद्रास्फीति के विरुद्ध बचाव के रूप में देखा जाता है।

निवेशक अपनी संपत्ति की सुरक्षा के लिए इसे खरीदते हैं। दूसरे, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के चलते सोने को सर्वाधिक सुरक्षित निवेश माना जा रहा है। इतिहास में देखा गया है कि जब-जब युद्ध और संघर्ष की स्थिति आती है तमाम देश और लोग सोने में ही सर्वाधिक निवेश करने की प्रवृत्ति रखते हैं। यहां और रूस व यूक्रेन का युद्ध यथावत जारी है।

साथ ही साथ इसराइल का इस्लामिक देशों के साथ ही संघर्ष रुकने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में सोना ही सर्वाधिक सुरक्षित संपत्ति मानी जा रही है। तीसरे, दुनिया में अभी तक डॉलर को ही रिजर्व करेंसी के नाते सर्वाधिक मान्यता प्राप्त थी।

पिछले कुछ वर्षों में रिजर्व में डॉलर का महत्व कम होना शुरू हो गया है। इस बीच यूक्रेन-रूस युद्ध के दौरान अमेरिका द्वारा जब रूस के विदेशी मुद्रा भंडार को लगभग जब्त कर लिया गया तो उसके बाद से अमेरिका पर देशों का विश्वास टूटना शुरू हो गया है। शायद यही कारण है कि दुनिया भर के केंद्रीय बैंक अब डॉलरों की बजाय ज्यादा से ज्यादा सोना रखना चाहते हैं। इसलिए उनके द्वारा सोने की खरीद में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, और यह प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है।

गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, वैश्विक भंडार के रूप में डॉलर का हिस्सा 2010 में 62 प्रतिशत, 2020 में 59 प्रतिशत और 2025 में 57.74 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। चौथे, मुद्रास्फीति और मुद्रा अवमूल्यन भी सोने की अधिक मांग का कारण बन रहे हैं। जब मुद्रास्फीति बढ़ती है, तो कागजी मुद्रा का वाश्तविक मूल्य गिर जाता है। सोना, सीमित आपूर्ति वाली एक मूर्त संपत्ति होने के कारण, धन की रक्षा करने में सहयोग करता है। पांचवां सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारण टैरिफ युद्ध है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दुनिया भर पर टैरिफ थोपने के कारण विदेशी व्यापार क्षेत्र में असमंजस बना हुआ है।

यह असमंजस भी सोने की मांग और कीमतों को बढ़ाने का काम कर रहा है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पद ग्रहण करने के बाद में सोने की कीमत 2696 डॉलर प्रति आउंस से बढ़ कर 3673 डॉलर प्रति आउंस (यानी 36.2 प्रतिशत) तक बढ़ गई है। समझा जा सकता है कि भू-राजनीतिक तनावों, विदेशी व्यापार युद्धों और आर्थिक उथल-पुथल तथा डॉलर की ताकत लगातार घटने के कारण सोने की मांग थमने वाली नहीं है।

(लेखक कालेज के एसोशिएट प्रोफेसर है)

जात-पात पर यूपी सरकार का स्वागत योग्य फैसला, पर...

अर्जुन देशप्रेमी

इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले के बाद उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने जिस तरह से कदम उठाते हुए जाति व्यवस्था के सम्बन्ध में आदेश जारी किया है, उसके दूरगामी परिणाम संभव हैं, वशर्ते सरकार जातीय राजनीति और जाति आधारित अपने ही गठवंधन की पार्टियों के दवाब में न आ जाये।

अगर सरकार किसी दवाब में नहीं आती है, तो यह देश के लिए एक बड़ा और बेहतर कदम होगा जिसके अच्छे परिणाम आने वाले वर्षों में दिखेंगे। पर इसके लिए जरूरी है कि केंद्र सरकार भी इस मामले में कुछ कदम उठाये। दरअसल इलाहाबाद फैसला हाईकोर्ट के दिशा-निर्देशों के बाद योगी आदित्यनाथ की सरकार ने जो कदम उठाया है।

उसके तहत उत्तर प्रदेश में अब जाति बताना महंगा पड़ेगा। यादव, ब्राह्मण-बनिया से लेकर तमाम जातियों के नाम पर रैलियां नहीं हो सकेंगी। इतना ही नहीं अब पुलिस एफआईआर, गिरफ्तारी मेमो, सार्वजनिक स्थानों और सरकारी दश्तावेजों में जाति का उल्लेख नहीं होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जातिगत महिमामंडन को राष्ट्र-विरोधी करार देते हुए इसे समाप्त करने का आदेश दिया था। निर्देश के मुताबिक, सोशल मीडिया, इंटरनेट पर भी जाति का महिमामंडन या नफरत फैलाने वाले कंटेंट के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। आरोपी की पहचान के लिए पिता के साथ मां का नाम भी लिखा जाएगा।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के क्राइम क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) में जाति वाले कॉलम को खाली छोड़ा जाएगा। गाड़ियों पर जाति का महिमंडन करना बैन होगा। नोटिस बोर्ड और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जाति आधारित नारों या महिमामंडन या आलोचना बैन रहेगी। सिर्फ एससी/एसटी एक्ट जैसे मामलों में जाति का उल्लेख जरूरी होने के कारण इस आदेश से उसमें छूट रहेगी।

हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में जाति व्यवस्था को लेकर सख़्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि समाज में जातिगत महिमामंडन बंद किया जाना चाहिए। कोर्ट ने सरकारी दश्तावेज़ों, गाड़ियों और सार्वजनिक जगहों से भी जातियों का नाम, प्रतीक और निशान हटाने को कहा था। कोर्ट का कहना था कि अगर देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है तो जाति व्यवस्था को ख़त्म करना होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस विनोद दिवाकर की सिंगल बेंच ने याचिकाकर्ता प्रवीण छेत्री की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि जातिगत महिमामंडन 'राष्ट्र-विरोधी' है और वंश के बजाए संविधान के प्रति श्रद्धा ही देशभक्ति का सर्वोच्च रूप और राष्ट्र सेवा की सच्ची अभिव्यक्ति है।

इसी के बाद राज्य सर्कस्र ने आदेश जारी किये हैं। पर इन कदमों के बाद भी सवाल है कि क्या इसपर सचमुच में अमल हो पायेगा? अगर पिछले कुछ उदाहरणों को देखें तो ऐसा नहीं लगता है कि यह कारगर हो पायेगा। जातियों के दलदल में फंसे देश में ऐसी मुहिमें अक्सर दम तोड़ती रही हैं।

इसके उलट देश के नेता अपने कार्यों से देश को जातियों में बांटने का काम ही करते रहते हैं जिनमे देश के प्रधानमंत्री के पद पर बैठने वाले विश्वनाथ प्रताप सिंह जैसे नेता भी हैं जिन्होंने सत्ता के लिए देश को एक झटके में सैकड़ों जातियों के आग के हवाले कर दिया था।

बिहार में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ जगन्नाथ मिश्र ने 1982 के आसपास अपने नाम से मिश्र हटा लिया ताकि जाति प्रथा को ख़तम किया जा सके। उनके आह्वान पर हजारों बच्चों के नाम से जातिसूचक शब्द (सरनेम) हटाये गए। पर वही डॉ जगन्नाथ वोटों के लोभ में फिर से डॉ जगन्नाथ मिश्र बन गए जो जीवनपर्यंत बने रहे। बिहार के एक और मुख्यमंत्री पहले लालू प्रसाद थे। आज भी उनका सरकारी नाम लालू प्रसाद ही है। पर उन्होंने अपने नाम को लालू यादव ही प्रचलित किया। इसके बाद तो विश्वनाथ प्रताप सिंह ने मंडल कमीशन के नाम पर जो जातीय ज़हर बोया उसका परिणाम आजतक देश भुगत रहा है।

कई दशक पहले चौधरी चरण सिंह ने लोक सेवक के नाम के आगे जाति का उल्लेख न करने का प्रश्ताव लाया था। कांग्रेस ने फरवरी 1951 में तय किया कि पार्टी का कोई भी सदस्य किसी भी जातीय संस्था या संगठन से नहीं जुड़ेगा। यही हाल कम्युनिस्ट दलों का भी था। कांग्रेस ने तो नारा दिया था - 'जात पर न पात पर मुहर लगेगी हाथ पर।' पर आज वही कांग्रेस जातीय जनगणना के लिए मरी जा रही है।

इसी तरह चौधरी चरण सिंह के उत्तराधिकारियों ने ही जातीय गोलबंदी की। जातिवाद के धुर विरोधी चौधरी चरण सिंह की विरासत संभालने वाले राजनीतिक दलों ने जातीय संगठनों के बूते ही अपने दलों का विश्तार किया। आज देश में ज्यादातर दलों का आधार ही उनका जातीय समीकरण है। राजद और सपा का तो समीकरण ही मुस्लिम-यादव है। मायावती, चंद्रशेखर रावण, रामविलास पासवान-चिराग पासवान का समीकरण दलित हैं।

ऐसे ही अनेक और दल हैं जो जाति के बिना राजनीति कर ही नहीं सकते हैं। अभी कुछ दिनों पूर्व ही उत्तर प्रदेश में एक जाति विशेष के विधायकों ने अपना एक मंच बनाया था। मजे की बात कि इसमें भाजपा समेत सभी दल के उसी जाति के विधायक पहुंचे। धीरे-धीरे यह प्रक्रिया साहित्य, कला व पत्रकारिता के क्षेत्र में भी आने लगेगी। दिन-ब-दिन जाति का यह स्वरूप भयानक होता जा रहा है। लोकतंत्र के चौथे श्तम्भ का दंभ भरने वाले समाचार पत्रों और चैनलों क हाल यह है कि ये चुनावों के समय ही नहीं, पूरे साल कहाँ किस जाति के कितने वोटर हैं, के आधार पर ही विश्लेषण में लगे रहते हैं। इसके बिना इनका पेट ही नहीं भरता है। इसी आंकड़े के आधार पर ये अपने को ज्ञानी मानते हैं।

इसी तरह हर खबर के पीछे जात खोजते हैं कि मरने वाला किस जाति का था, मारने वाला किस जाति का था, बलात्कार किस जाति की महिला का हुआ और किस जाति के मर्द ने बलात्कार किया। किस जाति को कितना मंत्री पद मिला, तो किस जाति के कितने लोग किस नौकरी में लगे।

अगर केंद्र सिर्फ मीडिया में जाति-जाति के रटंत पर रोक लगा दे, तो काफी हद तक देश में फ़ैल रहे जातीय उन्माद पर रोक लग सकती है। पर सवाल है कि क्या केंद्र इस पर कुछ सोचेगा? इसी तरह के आदेश जारी करेगा? या उत्तर प्रदेश सरकार का ताज़ा फैसले कुछ समय बाद अपनी स्वाभाविक मौत मर जायेगा?

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

मिशन शक्ति के अंतर्गत 'एक दिन का अधिकारी' कार्यक्रम का आयोजन

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷। कोतवाली ब्लॉक के स्थित सैदपुरी महीचन्द कंपोजिट स्कूल में मिशन शक्ति के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों को नेतृत्व कौशल और आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से 'एक दिन का अधिकारी' की भूमिका दी गई। कार्यक्रम के तहत कक्षा ८ की छात्रा आकांक्षा को स्कूल का प्रिंसिपल बनाया गया। आकांक्षा ने इस भूमिका में अपने आपको गौरवांवित महसूस किया और अपने कर्तव्यों का पालन करने में पूरी तरह से समर्पित रहीं। इस भूमिका में आकांक्षा ने बच्चो को स्वच्छता कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चो को खाने से पहले ओर शौचायल के बाद हाथ धोने के महत्व को बताया और हाथ किस प्रकार धुले बताया गया। आकांक्षा के साथ-साथ अन्य बच्चों ने भी इस अनुभव से बहुत कुछ सीखा और अपने आप को भविष्य में इस तरह की भूमिकाओं के लिए तैयार करने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था, जो कि मिशन शक्ति के उद्देश्यों के अनुरूप है। स्कूल के शिक्षकों और प्रबंध समिति पदाधिकारी द्वारा इस कार्यक्रम की सराहना की और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुकेश कुमार मुख्य अध्यापक ने कहा कि बच्चों में सकारात्मक परिवर्तन लाने और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने के लिए इस तरह के कार्यक्रम जरूरी है। कार्यक्रम में मोनिका राजपूत,रंजना रानी, अमित कुमार आदि ने सराहनीय कार्य किया।

GST में राहत, बढ़ रहा व्यापार – झालू में भाजपा का 'जीएसटी बचत उत्सव''

✷ **एनसीआर टुडे. झालू** ✷। जीएसटी दरों में कमी और कर प्रणाली को सरल बनाने की दिशा में केंद्र सरकार के प्रयासों को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सोमवार को नगर में 'जीएसटी बचत उत्सव' आयोजित किया। इस दौरान व्यापारी समाज ने सरकार की नीतियों का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर के विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर पहुँचकर व्यापारियों से आत्मीय संवाद किया और उन्हें पार्टी की नीतियों से अवगत कराया। एडवोकेट शिवम अग्रवाल ने बताया कि केंद्र सरकार व्यापारी वर्ग की समस्याओं को गंभीरता से लेकर लगातार सुधार कर रही है। कर प्रणाली को और अधिक सरल बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में व्यापारी वर्ग सुरक्षित और सम्मानित महसूस कर रहा है। जीएसटी दरों में कमी ने व्यापार को सरल और लाभकारी बना दिया है। व्यापारियों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए भाजपा सरकार पर विश्वास जताया। इस दौरान नगर के कई व्यापारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। इनमें प्रमुख रूप से सुधीर चेयरमैन, निखिल, आकाश बाल्मीकि, अंकित, अंकित एडवोकेट, नीरज चौधरी, विशाल रटोलिया, आकाश सैनी, शुभम अग्रवाल, भोलू जोशी आदि शामिल रहे।

तीन घंटे में किया चार वर्षीय बालक तलाश

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। थाना रोरावर पुलिस टीम द्वारा "ऑपरेशन मुस्कान के तहत चार वर्षीय गुमशुदा बालक को तीन घंटे के अन्दर तलाश कर परिजनों के सुपुर्द कर परिजनों के चेहरे पर मुस्कान लौटाई है। वादी आस मौहम्मद निवासी गोण्डा रोड सोसाइटी के पास अहलदादपुर नींबरी थाना रोरावर द्वारा अपने भतीजे उम्र करीब चार वर्ष के गुम हो जाने के सम्बन्ध में थाना पर सूचना दी गई। थाना रोरावर पुलिस टीम द्वारा सूचना पर तत्काल मुकद्दमा दर्ज कर गुमशुदा बच्चे की तलाश हेतु टीम गठित की गईं । थाना प्रभारी रोरावर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीमों द्वारा तत्परता व सजगता दिखाते हुए कड़ी मेहनत एवं अथक प्रयास से आस-पास के इलाकों, गली मौहल्लों एवं कन्ट्रोल रूम के माध्यम से प्रचार- प्रसार कर गुमशुदा बच्चे को तीन घण्टे के अन्दर तेलीपाड़ा से सकुशल बरामद किया गया। बरामद शुदा बच्चे को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

कोचिगं से घर वापस नहीं लौटा छात्र महाराष्ट्र से बरामद

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। थाना गोधा पुलिस टीम द्वारा "ऑपरेशन मुस्कान के तहत 17 वर्षीय गुमशुदा बालक को तलाश कर परिजनों के सुपुर्द कर परिजनों के चेहरे पर मुस्कान लौटाई हैं। मुकेश कुमार पुत्र मनवीर सिंह निवासी पड़का सुल्तानपुर थाना गोधा ने थाना आकर सूचना दी कि उसका बेटा उम्र 17 वर्ष दो दिन पूर्व घर से कोचिंग के लिए गया था जो वापस घर नहीं आया है।

आजम खां के नये सियासी ठिकाने को लेकर कयास

मुरादाबाद , एजेंसी। सीतापुर जेल में बंद सपा नेता आजम खां की रिहाई की उम्मीद के बीच उनके नए सियासी ठिकाने को लेकर कयास लगने शुरू हो गए हैं। इस कयासबाजी को आजम की पत्नी डॉ. तजीन फात्मा की बसपा प्रमुख मायावती से मुलाकात की चर्चाओं से बल मिला है। हालांकि, सपा और बसपा के नेता इस मुद्दे पर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। फिलहाल सभी की नजर आजम की रिहाई के बाद उनके अगले कदम पर है।

सपा नेता आजम खां करीब 23 महीने से सीतापुर जेल में बंद हैं। उन पर विभिन्न मामलों में 96 केस दर्ज हैं। 18 सितंबर को हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद से ही आजम की रिहाई की उम्मीदें परवान चढ़ने लगीं। साथ ही आजम खां के नए सियासी ठौर की चर्चाएं भी शुरू हो गईं।

यह चर्चा अनायास नहीं है। इसके पीछे राजनीतिक जानकार बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती और तजीन फात्मा की मुलाकात बताते हैं। चर्चा है कि पिछले दिनों दिल्ली में दोनों की मुलाकात हुई थी। वार्ता के केंद्र बिंदु में आजम खां ही रहे।

अब इस मुलाकात की चर्चाएं सियासी गलियारों से लेकर सोशल मीडिया तक में होने लगी हैं। जानकार इस सियासी मुलाकात को आजम खां-तजीन फात्मा के पिछले बयानों से जोड़कर देख रहे हैं। जो बताते हैं कि दोनों का मिलना इत्तेफाक नहीं है।

इससे पहले सीतापुर जेल में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद ने आजम खां से मुलाकात कर दलित-मुस्लिम गठजोड़ की सियासत को हवा दी थी। राजनीतिक जानकारों का यह भी मानना है कि आजम का अगला कदम उनके स्वास्थ्य और परिवार की राजनीतिक रणनीति पर निर्भर करेगा। वैसे आजम खां के नजदीकी यह दावा भी करते हैं कि तजीन फात्मा पिछले कई माह से दिल्ली नहीं गई हैं। इस वजह से उनकी मायावती से मुलाकात की बात में कोई दम नहीं है।

टिकट बंटवारे को लेकर रिश्तों में आई थी तल्खी

लोकसभा चुनाव में टिकटों के बंटवारे को लेकर अखिलेश यादव और आजम खां के रिश्तों में तल्खी आ गई थी। खुद के चुनाव नहीं लड़ने की स्थिति में आजम खां ने अखिलेश यादव को रामपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने का सुझाव दिया था। साथ ही मुरादाबाद सीट से बिजनौर की पूर्व विधायक रुचिवीरा को प्रत्याशी बनाने की सिफारिश की थी।

अखिलेश ने रामपुर सीट से चुनाव लड़ने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। इसके बाद आजम खां के हवाले से रामपुर के सपा नेताओं ने लोकसभा चुनाव के बहिष्कार का एलान कर दिया था। इस खींचतान के बीच अखिलेश यादव ने आजम की पसंद को दरकिनार कर मौलाना मोहिब्बुल्लाह नदवी को रामपुर से उम्मीदवार घोषित कर दिया था।

हंस कर टाल गए अखिलेश यादव

आजम खां के बसपा में शामिल होने की चर्चाएं लखनऊ से लेकर दिल्ली तक घूम रही हैं। इस संबंध में मीडिया ने जब अखिलेश यादव से सवाल किया तो वह हंस कर टाल गए।

कहीं नहीं जाएंगे आजम खां

सपा के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि आजम खां के लिए सपा ही सबसे मुफीद है। उनके लिए दूसरे दलों में अपने अंदाज में काम कर पाना मुश्किल होगा। इसलिए कहीं नहीं जाएंगे, सपा में ही रहेंगे।

इस बारे में पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन का कहना है कि आजम खां सपा के संस्थापक सदस्य रहे हैं। उनके किसी भी पार्टी में जाने की चर्चाएं पूरी तरह से निराधार हैं। उनके किसी भी पारिवारिक सदस्य की किसी भी नेता से मुलाकात की तस्वीर नहीं आई है। आजम खां सपा में हैं और सपा में ही रहेंगे।

आजम खां के खिलाफ करीब सौ केस

सीतापुर की जेल में आजम खां 23 माह से बंद हैं। इस दौरान वह कभी भी रामपुर की कोर्ट में नहीं पहुंचे। उन पर सौ के आसपास केस दर्ज थे, जिनमें 12 में फैसला सुनाया जा चुका है। इनमें पांच में सजा और सात में बरी कर दिया गया है।

सूत्रों के अनुसार मौजूदा समय में 59 मामले सेशन कोर्ट, जबकि 19 मामले मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रहे हैं। भाजपा सरकार में सपा नेता आजम खां पर कई मामले दर्ज हुए थे। दो जन्म प्रमाण पत्र मामले में सजा मिलने के बाद सपा नेता आजम खां 18 अक्तूबर 2023 को जेल गए थे। उनके साथ उनकी पत्नी डॉ. तजीन फात्मा और बेटे अब्दुल्ला आजम भी गए थे।

अलीगढ़ में गोपी पुल पर कैंटर-कार की आमने-सामने भिड़ंत, दोनों वाहनों में लगी आग, चार जिंदा जले, एक हुआ घायल

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ के अकराबाद थाना अंतर्गत जीटी रोड स्थित गोपी पुल के ऊपर 23 सितंबर की तड़के सुबह कैंटर और कार में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। जिससे कैंटर और कार में आग लग गई। आग लगने से दोनों वाहनों में सवार चार लोग जिंदा जल गए। हादसे में एक गंभीर घायल हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोपी पुल के ऊपर तड़के सुबह एक कैंटर और कार के बीच टक्कर हो गई। जिससे दोनों गाड़ियों में आग लग गई। आग लगने से कार में सवार तीन लोग तथा कैंटर चालक की जिन्दा जलकर मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच में जुट गई। एक घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एसपी ग्रामीण अमृत जैन ने बताया कि थाना अकराबाद अंतर्गत आज सुबह गोपी पुल पर दो गाड़ियों की भिड़ंत हो गई है। भिड़ंत के चलते दोनों गाड़ियों में आग लगने व कुछ लोगों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर स्थानीय पुलिस, फायर सर्विस अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर आग को बुझाया गया। घायलों को गाड़ी से निकालकर एम्बुलेंस से जेएनएमसी ट्रामा सेन्टर रवाना किया गया। दुर्घटना में चार लोगों के मृत्यु होने की संभावना है। मृतकों की शिनाख्त करके पंचायतनामा व पोस्टमार्टम हेतु शवों को मोर्चरी भिजवाया जा रहा है। जल्द ही इनकी पहचान कर अग्रिम विधिक कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। यातायात व्यवस्था सुचारू है। मौके पर शांति है ।

जीएसटी की घटी दरों का लाभ जनता को दिलाने के लिए प्रदेश में उतरे 2500 से ज्यादा अफसर, कर रहे हैं पड़ताल

लखनऊ , एजेंसी। जीएसटी-2.0 के फायदे गिनाने और आम लोगों के बीच फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए राज्य कर विभाग ने अपने करीब 2500 अधिकारियों को बाजारों में उतार दिया है। सेंट्रल जीएसटी के भी अधिकांश अधिकारी लोगों के बीच जा रहे हैं। इस महा अभियान का उद्देश्य ये बताना है कि किन उत्पादों पर जीएसटी कितना घटा है और इसका लाभ क्या मिलेगा। इसके अलावा कीमतों को लेकर भी निगरानी की जा रही है।

उपभोक्ताओं की शिकायतों के निवारण के लिए हेल्पलाइन नंबर और पोर्टल जारी किया जा चुका है। संशोधित जीएसटी दरों से संबंधित शिकायतों और निवारण के लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के इनग्राम (इंटीग्रेटेड ग्रीवेंस रिड्रेसल मैकेनिज्म) पोर्टल भी जारी किया गया है। इस पोर्टल के जरिये टैक्स कम होने के बावजूद किसी उत्पाद की कीमत कम न होने की शिकायत की जा सकती है।

किस उत्पाद का दाम कितना घटा है, इसकी सही जानकारी के लिए 'सेविंग्स विद जीएसटी पोर्टल' शुरू किया गया है। इस पोर्टल पर जाकर नई दरों से पहले और बाद में उत्पादों की कीमतों की तुलना कर सकते हैं।

इसमें अलग-अलग श्रेणियां दी गई हैं। व्यापारियों व उद्यमियों की समस्याओं को दूर करने की जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों को दी गई है। इसे लेकर सभी खंड अधिकारी सहायक आयुक्तों के साथ जीएसटी सुधार के फायदे अपने क्षेत्र के व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच लेकर जा रहे हैं। उपायुक्त जिलाधिकारियों से मिलकर व्यापार मंडल व उद्योग मंडल की बैठक करा रहे हैं।

राज्य कर विभाग में 375 सेक्टर हैं, जिसमें राज्य कर अधिकारी करीब 1000, सहायक आयुक्त 750, उपायुक्त 450, संयुक्त आयुक्त 150, अपर आयुक्त ग्रेड-2 की संख्या 78 और अपर आयुक्त ग्रेड-1 की संख्या 22 हैं। सेंट्रल जीएसटी में अधिकारियों की टीम अलग है।

बिजली बिल वसूलने गई टीम पर हमला

रायबरेली , एजेंसी। जिंगना ग्राम पंचायत के पूरे जसवंत गांव में बिजली बिल वसूलने गई पावर कॉर्पोरेशन की टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। लाठी-डंडे से दौड़ा-दौड़ाकर टीम के सदस्यों को पीटा। इसमें जेई समेत सात कर्मचारी घायल हो गए। आरोपियों ने जरूरी दस्तावेज भी फाड़ दिए। कनेक्शन काटने की बात से ग्रामीण नाराज थे। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

जगतपुर बिजली उपकेंद्र के अवर अभियंता (जेई) चंद्रेश पटेल के मुताबिक बिल वसूलने के लिए टीम के साथ पूरे जसवंत गांव गए थे। गांव के रहने वाले किसान से बकाया बिजली बिल जमा करने के लिए कहा गया। इसी बात को लेकर किसान व उसके बेटे कहासुनी करने लगे। इसी दौरान गांव के आठ से 10 लोग लाठी-डंडा लेकर आ गए। इससे पहले कि हम लोग कुछ समझ पाते, ग्रामीणों ने पीटना शुरू कर दिया। किसी तरह जान बचाकर भागे।

मारपीट में उनके अलावा टीजी टू राजीव गुप्ता, करम कुमार, संविदाकर्मी रामशरन, अभिषेक, दिनेश, महेश को गंभीर चोटें आई हैं। संविदाकर्मी रामशरन पाल के हाथ व दिनेश कुमार के कंधे व अभिषेक कुमार के पैर में गंभीर चोटें आईं। घायलों को सीएचसी में इलाज कराया गया है।

जगतपुर थाना प्रभारी पंकज त्यागी ने बताया कि तीन नामजद और 10 अज्ञात हमलावरों के खिलाफ तहरीर दी गई है। एफआईआर दर्ज करके कार्रवाई की जाएगी।

मनमाने तरीके से वसूलते हैं बिल

ग्रामीणों ने पावर कॉर्पोरेशन के अधिकारियों व कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों के मुताबिक आए दिन बिजली की फाल्ट बनी रहती है। बावजूद विभागीय अधिकारी व कर्मचारी मनमाने तरीके से बिल वसूलते हैं। बिल जमा न करने पर कनेक्शन काट देते हैं। टीम के सदस्य गांव पहुंचकर मनमानी तरीके से कनेक्शन काटने लगे। इसका विरोध किया गया। मारपीट नहीं की गई। अधिकारी दबाव बनाने के लिए झूठे आरोप लगा रहे हैं। उधर, थाना प्रभारी का कहना है कि घटना की सत्यता की जांच कराई जा रही है।

कैसी पुलिस की निगरानी, सर्किल के 26 हिस्ट्रीशीटर लापता

कानपुर , एजेंसी। कानपुर के घाटमपुर में अपराधी की हिस्ट्रीशीट दर्ज होते ही पुलिस को उसकी लगातार निगरानी करने का प्रावधान है। घोषित अपराधी होने पर इन पर नजर रखना पुलिस के लिए उतना ही आवश्यक है कि जितना अपराध को रोकना। इसके बावजूद सर्किल के छह थानों से 26 हिस्ट्रीशीटर लापता हैं।

उनकी पुलिस को भनक तक नहीं है। सर्किल क्षेत्र के घाटमपुर, सजेती, साढ, रेउना, बिधनू व सेन पश्चिम पारा थानों में कुल 290 अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खुली हुई है। जिनकी लगातार निगरानी करने की जिम्मेदारी संबंधित थाना पुलिस की है। इनमें 18 की मौत हो चुकी है।

वहीं, 26 पुलिस की निगरानी के बावजूद लापता हो चुके हैं। इनमें कई तो काफी लंबे समय से लापता हैं। सबसे अधिक लापता होने वालों की संख्या साढ थाना क्षेत्र में है। इन लापता हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी में जहां पुलिस फेल हुई है। वहीं, इनको खोज निकालने में भी फिलहाल असफल है।

क्षेत्र से लापता हिस्ट्रीशीटर कहीं दूसरे क्षेत्र में तो अपराधों को अंजाम नहीं दे रहे, क्योंकि यदि उन्हें अपराध करने से बचना होता, तो क्षेत्र में ही बिना झंझट के पुलिस की निगरानी में जीवन यापन कर सकते थे। लापता होने के पीछे पुलिस की नजरों से बचने के मंसूबे होने से इंकार नहीं किया जा सकता है।

शराब बनाने का उपकरण व सामान बरामद, पांच पर केस

बहराइच , एजेंसी। मोतीपुर रेंज के जंगल में पिछले कई महीनों से चल रही अवैध शराब बनाने की भट्ठी का सोमवार को आबकारी विभाग ने खुलासा किया। इस दौरान टीम ने बड़ी संख्या में शराब बनाने के उपकरण, लोहे के ड्रम, लहन, नौसादर और तैयार कच्ची शराब बरामद की। इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

आबकारी निरीक्षक आदित्य कुमार ने बताया कि मुखबिर के जरिये सूचना मिली थी कि जंगल में कच्ची शराब का धंधा कुटीर उद्योग की तरह चलाया जा रहा है। सूचना मिलने के बाद रविवार देर रात टीम के साथ मोतीपुर रेंज स्थित उपदा नाले के किनारे घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया गया।

टीम को देखकर मौके पर मौजूद पांच लोग झाड़ियों का सहारा लेकर भाग निकले। मौके से एक बड़ी भट्ठी, लोहे के ड्रम, काफी मात्रा में लहन, नौसादर व तैयार कच्ची शराब बरामद हुई। बरामद सामान को जब्त करते हुए लहन आदि को मौके पर ही नष्ट करा दिया।

प्रदेश के 558 मदरसों को हाईकोर्ट से मिली राहत, अब नहीं होगी ईओडब्लू की जांच; मानवाधिकार आयोग ने की थी मांग

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश के अनुदानित 558 मदरसों की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की जांच अब नहीं होगी। केंद्रीय मानवाधिकार आयोग आदेश पर अनुदानित मदरसों की शुरू हुई ईओडब्ल्यू जांच पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सोमवार को रोक लगा दी। कोर्ट ने मदरसों की जांच कराने के आदेश को आयोग के अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया।

दरअसल, बाराबंकी निवासी मोहम्मद तलहा अंसारी की शिकायत पर केंद्रीय मानवाधिकारी आयोग के आदेश पर शासन ने आर्थिक अपराध शाखा से जांच शुरू कराई थी। जांच के आदेश के खिलाफ टीचर्स एसोसिएशन मदारिस अरबिया उत्तर प्रदेश और प्रबंध समिति मदरसा मदीनतुल उलूम जलालीपुर बनारस ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। एसोसिएशन के महासचिव और याचिकाकर्ता दीवान साहब जमां ने बताया कि रिट याचिका में आयोग के अधिकार क्षेत्र को चुनौती दी गई थी। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय ने एसोसिएशन के वकील जीके सिंह, प्रशांत शुक्ला,

मोहम्मद अली औसाफ और एचपी शाही के तर्कों से सहमति जताते हुए कहा कि आयोग कोई सेवा न्यायाधिकरण नहीं है जो नियुक्तियों की जांच करेगा।

मदरसों का मामला आयोग के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने ये भी कहा कि शिकायतकर्ता आदतन शिकायतकर्ता है और पीड़ित व्यक्ति नहीं है, इसलिए उसका कोई अधिकार क्षेत्र नहीं बनता। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने कहा कि मदरसा नियमावली में मदरसों की जांच आर्थिक अपराध शाखा के माध्यम से कराने का कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए सरकार ईओडब्ल्यू के माध्यम से जांच नहीं करा सकती है।

कामिल-फाजिल डिग्री धारक शिक्षकों को बड़ी राहत: दीवान साहेब जमां ने बताया कि कोर्ट के आदेश से सबसे बड़ी राहत कामिल और फाजिल प्रमाणपत्रों से नियुक्त शिक्षकों को मिली है। केंद्रीय मानवाधिकार आयोग ने इन शिक्षकों के वेतन भुगतान को वित्तीय भ्रष्टाचार माना था, क्योंकि इन डिग्रियों को सर्वोच्च न्यायालय ने असंवैधानिक घोषित कर दिया है। उन्होंने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय 5 नवंबर, 2024 से प्रभावी है, लेकिन शिकायत में सभी 558 अनुदानित मदरसों में नियुक्त सभी शिक्षकों के वेतन भुगतान पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था।

इसके लिए आयोग ने ईओडब्ल्यू जांच के आदेश दिए थे। उन्होंने बताया कि आयोग के सामने एक ही व्यक्ति की ओर से 55 शिकायतें की गई थीं। जांच के नाम पर मदरसों के लोगों को आतंकित किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने जांच पर रोक लगाकर मदरसों को बड़ी राहत दी है।

डब्ल्यूएफआई ने पेरिस ओलंपिक के मेडलिस्ट को जारी किया कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने सोमवार 22 सितंबर 2025 को पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत को विश्व चैंपियनशिप में स्वीकार्य वजन सीमा पर खरा नहीं उतर पाने को लेकर सोमवार को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया। अमन पुरुषों की फ्रीस्टाइल कुश्ती 57 किलोग्राम स्पर्धा में पदक के प्रबल दावेदारों में से एक थे, लेकिन प्रतियोगिता के दिन उनका वजन स्वीकार्य सीमा से 1.7 किलोग्राम अधिक निकला, जिसके कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया।

डब्ल्यूएफआई ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि जगरेब में चार कोच मौजूद थे, लेकिन वे वजन प्रबंधन पर नजर

27 तक देना होगा जवाब

नहीं रख पाए और इसके मद्देनजर उन्हें भी 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया गया। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के एक पदाधिकारी ने बताया, 'यह स्वीकार्य नहीं है। हमें इसके पीछे के कारणों का पता लगाना होगा। दो महीने से भी कम समय में हमारे दो अच्छे पहलवानों को अयोग्य घोषित कर दिया गया। हमें इसकी जांच करनी होगी, इसलिए हमने अमन को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया है।'

डब्ल्यूएफआई के पदाधिकारी ने बताया कि मुख्य कोच जगमंदर सिंह, विनोद, वीरेंद्र और नरेंद्र को भी स्पष्टीकरण देना होगा।

उन्होंने बताया कि अमन और चारों कोच से 27 सितंबर तक जवाब देने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया, 'वहां 10 पहलवान और चार कोच थे। उन्हें इस मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए था। वे प्रतियोगिता से 15 दिन पहले वहां थे। यह उनकी भी जिम्मेदारी थी, इसलिए उन्हें भी स्पष्टीकरण देना होगा।'

साल 2023 में जारी यूडब्ल्यूडब्ल्यू नियमों के अनुसार, विश्व कप, यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए दो किग्रा तक अधिक वजन तक की मंजूरी है। हालांकि, विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक जैसे टूर्नामेंटों में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। पेरिस ओलंपिक 2024 में स्वीकार्य वजन सीमा पर खरा नहीं उतर पाने के कारण ही विनेश फोगाट स्वर्ण पदक मुकाबले (महिला 50 किग्रा वर्ग) में हिस्सा नहीं ले पाई थीं। तब विनेश फोगाट का वजन 50 किलोग्राम से कुछ ग्राम अधिक था।

पहले विनेश फोगाट अब अमन सहरावत

विनेश फोगट के पेरिस ओलंपिक से अयोग्य घोषित होने के बाद, किसी स्टार भारतीय खिलाड़ी (अमन सहरावत) के ज्यादा वजन का यह पहला मामला है। हालांकि, एक महीने से भी कम समय में विश्व चैंपियनशिप में किसी भारतीय के साथ यह अयोग्यता की दूसरी घटना है। अगस्त 2025 में बुल्गारिया के समोकोव में अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप से नेहा सांगवान (महिला 59 किग्रा) को स्वीकार्य सीमा से 600 ग्राम अधिक वजन होने के कारण बाहर कर दिया गया था। इसके बाद डब्ल्यूएफआई ने नेहा सांगवान को दो साल के लिए निलंबित कर दिया था।

छह साल बाद CAB अध्यक्ष बने सौरव गांगुली-बोले- ईडन गार्डन्स की क्षमता 1 लाख तक बढ़ाने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। सौरव गांगुली 6 साल बाद क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष बन गए हैं। कोलकाता में हुई 94वीं वार्षिक बैठक में उन्हें निर्विरोध चुना गया। अपने कार्यकाल में गांगुली ने ईडन गार्डन्स स्टेडियम की दर्शक क्षमता 1 लाख तक

पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। अभी यह 68 हजार है। इसके लिए आगामी टी-20 वर्ल्ड कप के बाद काम शुरू होगा। गांगुली के मुताबिक उनकी कोशिश रहेगी कि इस मेगा इवेंट में कोलकाता को ब? मैचों की मेजबानी भी मिले। गांगुली इससे पहले 2015 से 2019 के बीच भी संघ के अध्यक्ष रहे हैं।

इससे पहले भी गांगुली 2015 से 2019 तक CAB अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके बाद वह 2019 से 2022 तक BCCI अध्यक्ष रहे। तब से वे टी-20 फ्रेंचाइजी सर्किट में कई टीमों के साथ जुड़े रहे हैं। वे 2021 में ICC मेंस क्रिकेट कमेटी के अध्यक्ष बने थे। उन्हें अनिल कुंबले की जगह इस पद पर नियुक्त किया गया था। गांगुली कोच चुनने वाली समिति का भी हिस्सा थे। 2017 में रवि शास्त्री को मुख्य कोच चुनने वाली क्रिकेट सलाहकार समिति में गांगुली सदस्य थे, जिसमें सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण भी शामिल थे। हाल ही में गांगुली ड्ड20 के चौथे सीजन के लिए प्रिटोरिया कैपिटल्स के हेड कोच बने हैं। वह पिछले सप्ताह SA20 की नीलामी में भी मौजूद थे। यह किसी टी-20 फ्रेंचाइजी टीम के हेड कोच के रूप में उनका पहला कार्यकाल है।

श्रेयस अय्यर ने अचानक छोड़ी कप्तानी, तुरंत ही लौट आए मुंबई

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच चल रही चार दिवसीय अनऑफिशियल टेस्ट सीरीज में भारत को बड़ा झटका लगा है. सीरीज के दूसरे मुकाबले से ठीक पहले श्रेयस अय्यर, जो इंडिया ए टीम के कप्तान और मध्यक्रम के बल्लेबाज हैं, ने अचानक कप्तानी छोड़ते हुए टीम से अपना नाम वापस

ले लिया और मुंबई लौट गए हैं. इस अचानक फैसले ने टीम प्रबंधन और फैंस दोनों को हैरान कर दिया है. अभी तक अय्यर के अचानक लौटने का आधिकारिक कारण सामने नहीं आया है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक उनके इस तरह से लौटने का कारण व्यक्तिगत बताया जा रहा है. उनके जाने के बाद उप-कप्तान ध्रुव जुरेल टीम की कमान संभालेंगे.अय्यर की जगह किसी दूसरे खिलाड़ी को टीम में जगह नही दी गई है. अय्यर ने बीसीसीआई से भी पर्सनल कारण बताते हुए छुट्टी मांगी है. एक सूत्र के अनुसार अय्यर ने पहले ही सिलेक्टर्स को दूसरे मैच में अपनी अनुपस्थिति के विषय में जानकारी दे दी थी और टीम चयनकर्ता उनका भविष्य वेस्टइंडीज सीरीज में खेलने के संदर्भ में देख रहे हैं. श्रेयस अय्यर का प्रदर्शन इस सीरीज में उतना शानदार नही रहा. पहले अनऑफिशियल टेस्ट में वो सिर्फ 8 रन ही जोड़ पाए. वहीं, दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी उनका प्रदर्शन औसत रहा, और उन्होंने क्रमशः 25 और 12 रन की पारी खेली, लेकिन इसके बाद भी चयनकर्ताओं उनपर नजर बनाए हुए हैं.

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो सकते हैं ऋषभ पंत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज से बाहर हो सकते हैं। यह टेस्ट सीरीज 2-14 अक्टूबर के बीच खेली जानी है।

ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारत के उप-कप्तान रहे थे, लेकिन मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट के दौरान उनके बाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया। वह इस मैच में लंगड़ाते हुए बल्लेबाजी के लिए उतरे, लेकिन ओवल में खेले गए आखिरी टेस्ट में नहीं खेल सके। पंत के स्थान पर सीरीज के अंतिम मैच में एन जगदीशन को टीम में शामिल किया गया था। वह फिलहाल बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस समय ऋषभ पंत स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग से गुजर रहे हैं। बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग शुरू करने से पहले बीसीसीआई की मेडिकल टीम की ओर से अपडेट का इंतजार किया जा रहा है। पंत की वापसी के लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की गई है। पंत की अनुपस्थिति में, ध्रुव जुरेल वेस्टइंडीज के विरुद्ध सीरीज में भारत के विकेटकीपर होंगे, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के अंतिम दो टेस्ट मैच में विकेटकीपिंग की थी।

अगर चयनकर्ता वेस्टइंडीज सीरीज के लिए दूसरे विशेषज्ञ विकेटकीपर का चयन करते हैं, तो एन जगदीशन बैकअप विकल्प हो सकते हैं। यह भी माना जा रहा है कि चयनकर्ता टेस्ट सीरीज के लिए नितीश कुमार रेड्डी और देवदत्त पडिक्कल के नाम पर विचार कर सकते हैं। भारत-वेस्टइंडीज के बीच यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा है। भारत-इंग्लैंड के बीच पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही थी, जिसके बाद भारत वर्तमान में डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में तीसरे पायदान पर मौजूद है। वहीं, दूसरी ओर वेस्टइंडीज तीन मैचों में तीन हार के बाद छठे स्थान पर है।

भारत-इंग्लैंड की टीमें 2-6 अक्टूबर के बीच अहमदाबाद में पहला टेस्ट मैच खेलेंगी, जिसके बाद 10-14 अक्टूबर के बीच दिल्ली में सीरीज का दूसरा मुकाबला आयोजित होगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इतिहास रचने से चूकी भारतीय महिलाओं को एक और झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम (पूर्व में फिरोजशाह कोटला स्टेडियम) में शनिवार 20 सितंबर 2025 को इतिहास रचने से चूकी भारतीय महिला क्रिकेट टीम को एक झटका लगा है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम पर मंगलवार 23 सितंबर 2025 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

शनिवार को फिरोजशाह कोटला मैदान पर स्मृति मंधाना की 125 रन की धमाकेदार पारी के बावजूद मेजबान भारत को 43 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने 2-1 से सीरीज जीत ली, जबकि भारतीय महिला टीम कंगारुओं के खिलाफ पहली बार वनडे सीरीज अपने नाम करने से चूक गई।

आईसीसी के मैच रेफरी के अंतरराष्ट्रीय पैनल की जीएस लक्ष्मी ने यह जुर्माना लगाया, क्योंकि समय सीमा को ध्यान में रखते हुए भारत को निर्धारित समय से दो ओवर कम

फेंकने का दोषी पाया गया। आईसीसी की ओर से जारी बयान में कहा गया, खिलाड़ियों और प्लेयर्स सपोर्ट स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर गति से संबंधित है, खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में अपनी टीम द्वारा कम फेंके जाने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद भी खुश नहीं स्मृति मंधाना, कहा- विश्व कप से पहले हमें ताकत और कमजोरियां दिखा गई यह सीरीज

बयान में यह भी कहा गया, भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित जुर्माना स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। धीमी ओवर गति की रिपोर्ट मैदानी अंपायर लॉरेन एजेनबाग और जननी नारायणन ने की थी। इसमें थर्ड अंपायर गायत्री वेणुगोपालन और फोर्थ अंपायर वृंदा राठी की भी सहमति शामिल थी। इस बीच, ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम के लिए भी एक बुरी खबर आई। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस का वनडे विश्व कप में जगह बनाने का इंतजार और बढ़ गया, क्योंकि पिंडली में खिंचाव के कारण वह भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी 50 ओवरों के टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। ग्रेस हैरिस को शनिवार 20 सितंबर 2025 को भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में चोट लगी थी।

स्वदेश लौटेंगी ग्रेस हैरिस, हीथर ग्राहम खेलेंगी

ग्रेस हैरिस अब 9 नवंबर से शुरू होने वाली महिला बिग बैश लीग से पहले स्वास्थ्य लाभ और पुनर्वास के लिए स्वदेश लौट जाएंगी। ऑस्ट्रेलिया ने हैरिस की जगह हीथर ग्राहम को टीम में शामिल किया है। हीथर ग्राहम महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग में बुधवार और गुरुवार (24 और 25 सितंबर) को वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के पहले दो मुकाबलों में हिस्सा लेने के बाद भारत में ऑस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ेंगी।

बहुत सारी कमजोरियां हैं..., भारत से लगातार दो मैच हारने पर वसीम अकरम ने पाकिस्तान टीम को लताड़ा

दुबई, एजेंसी। अकरम ने पाकिस्तान की बल्लेबाजी को भी निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि टीम 10 ओवरों में 91/1 के स्कोर पर अच्छी स्थिति में थी, लेकिन सिर्फ 171 रन ही बना पाई। अकरम ने कहा कि ऐसी स्थिति में टीम को 200 रन तक पहुंचना चाहिए। पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने एशिया कप 2025 सुपर फोर में भारत के खिलाफ हार के बाद पाकिस्तान टीम की कड़ी आलोचना की है। अकरम ने साफ शब्दों में कहा कि पाकिस्तान को टीम इंडिया ने हर विभाग में मात दी। उन्होंने पाकिस्तान की बल्लेबाजी, गेंदबाजी और रणनीति सभी पर सवाल उठाए। अकरम ने कहा, भारत ने पाकिस्तान को हर विभाग में पछाड़ दिया और यह पिछले चार-पांच वर्षों से होता आ रहा है। हम (पाकिस्तान) केवल एक-दो बार ही जीत पाए हैं।

बल्लेबाजी में सुधार की आवश्यकता

अकरम ने ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर्स से बात करते हुए पाकिस्तान की बल्लेबाजी को भी निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि टीम 10 ओवरों में 91/1 के स्कोर पर अच्छी स्थिति में थी, लेकिन सिर्फ 171 रन ही बना पाई। अकरम ने कहा कि ऐसी स्थिति में टीम को 200 रन तक पहुंचना चाहिए था। उन्होंने खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट और विशेषकर रेड-बॉल क्रिकेट खेलने पर जोर दिया। अकरम ने कहा, बहुत सारी कमजोरियां हैं। खिलाड़ियों को एक निश्चित मात्रा में रेड-बॉल क्रिकेट खेलनी चाहिए। यही तरीका है जिससे आप स्पिनर्स को समझ पाएंगे और बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।

उन्हें IPL में भी अंपायरिंग करनी है, फखर जमां को आउट देने पर अफरीदी ने उगला जहर

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने भारत के विरुद्ध सुपर-4 मुकाबले में फखर जमां को आउट दिए जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने एशिया कप 2025 में अंपायरिंग के मानकों पर फिर से

बहस छेड़ दी है। फखर जमां इस फैसले से नाखुश दिखे। उनका मानना था कि विकेटकीपर के दस्तानों में जाने से पहले गेंद जमीन को छू चुकी थी। समा टीवी पर शाहिद अफरीदी ने अंपायर पर तंज कसते हुए कहा, उन्हें आईपीएल में भी अंपायरिंग करनी है। पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ ने अफरीदी का समर्थन करते हुए फखर जमां को आउट दिए जाने पर अफसोस जताया है। यूसुफ ने कहा, फखर जमां हमारे प्रमुख खिलाड़ी थे, उन्होंने विश्वस्तरीय गेंदबाजों (जसप्रीत बुमराह) के खिलाफ कुछ चौके लगाकर अच्छी शुरुआत की थी। पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा ने भी थर्ड अपंयार के इस फैसले पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि गेंद बाउंस हुई है।

राहुल द्रविड़ के बेटे समित पर भारी पड़ा सचिन तेंदुलकर का लाल अर्जुन

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के अलूर में सोमवार (22 सितंबर) को दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के बेटे के. थिमप्पिया मेमोरियल टूर्नामेंट में आमने-सामने हुए। गोवा के लिए अर्जुन तेंदुलकर ने कर्नाटक सेक्रेटरी इलेवन के समित द्रविड़ का विकेट लेकर इस मैच को यादगार बना दिया।

समित द्रविड़ ने 26 गेंदों पर 9 रनों की अपनी पारी के दौरान दो चौके लगाए। एक शॉट लॉन्ग ऑफ की ओर गया जबकि दूसरा कवर्स में गया। हालांकि, अर्जुन तेंदुलकर ने उन्हें काशब बाकले के हाथों कैच करा दिया। इस टूर्नामेंट में कर्नाटक के कुछ शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा हैं। इनमें हाल ही में इंग्लैंड का दौरा करने वाले खिलाड़ी करुण नायर और प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल हैं। करुण इस मैच में खेल रहे हैं और वह 3 रन बनाकर आउट हुए।

कर्नाटक की बल्लेबाजी

कर्नाटक ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 8 विकेट पर 245 रन बनाए। कृतिक कृष्णा 89 रन बनाकर क्रीज पर हैं। लोचन गौड़ा ने 88 रन बनाए। फैजान खान ने 29 और राजवीर वाधवा ने 14 रन बनाए। समित द्रविड़ 9, माधव बजाज 4 और करुण नायर 3 रन बनाकर आउट हुए। निकिन जोस और ध्रुव पी बगैर खाता खोले आउट हुए। अभिषेक अहलावत बगैर खाता खोले क्रीज पर हैं।

अर्जुन तेंदुलकर ने 3 विकेट लिए

गोवा के लिए अर्जुन तेंदुलकर ने 3 विकेट लिए। मोहित रेडकर को 2 विकेट मिले। कोशिक वी और अभिनव तेजराणा ने 1-1 विकेट लिए। गोवा ने पहली पारी में 338 रन बनाए। ललित यादव 113 रन बनाकर नाबाद रहे। अभिनव तेजराणा ने 88 रन बनाए।

अर्जुन तेंदुलकर ने 9 रन बनाए। समित द्रविड़ ने 2 विकेट चटकाए। इस वर्ष के. थिमप्पिया मेमोरियल टूर्नामेंट आगामी 2025-26 रणजी ट्रॉफी सीजन से पहले हो रहा है। इससे खिलाड़ियों को भारत की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता शुरू होने से पहले अपनी फॉर्म और फिटनेस का आकलन करने का अवसर मिलेगा।